दैनिक

बुलन्द मंज़िल

Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 139 | संभल, शनिवार 02 मई 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

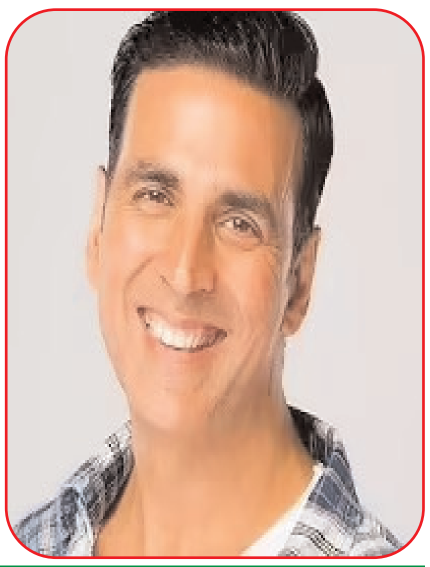

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...

पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

बंगाल के 15 मतदान केंद्रों पर फिर डाले जाएंगे वोट

ईसी ने कहा – 2 मई को होगा पुनर्मतदान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर और मगरा हाट पश्चिम क्षेत्रों के 15 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया है। आयोग के निदेर्शानुसार इन सभी केंद्रों पर 2 मई को दोबारा मतदान कराया जाएगा। मतदान सुबह सात बजे से शाम 6 बजे तक होगा। इन 15 मतदान केंद्रों में 143-डायमंड हार्बर एसी के चार और 142-मगराहाट पश्चिम एसी के 11 मतदान केंद्र शामिल हैं, जहां पर फिर से शनिवार को वोटिंग होगी। आयोग ने यह फैसला मतदान के दौरान मिली शिकायतों और अनियमितताओं की रिपोर्ट के आधार पर लिया है। जिन बूथों पर गड़बड़ी की आशंका जताई गई थी।

मतगणना को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

राज्य में मतगणना से पहले सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए हैं। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल ने शुक्रवार को स्पष्ट कहा कि मतगणना केंद्रों पर किसी भी तरह की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि स्ट्रॉन्ग रूम की चौबीसों घंटे सीसीटीवी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि ईवीएम जिन स्ट्रॉन्ग रूम में रखी गई हैं, वहां लगातार निगरानी हो रही है और आम लोग भी बाहर से लगे मॉनिटर के जरिए स्थिति देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि बिना ठोस कारण और सबूत के आरोप लगाना उचित नहीं है। जो शिकायतें सामने आ रही हैं, वे निराधार हैं।

विधानसभा चुनाव और बंपर वोटिंग

पश्चिम बंगाल विधानसभा की 294 सीटों के लिए पहले चरण में 152 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान हुआ था, जबकि दूसरे चरण के तहत 29 अप्रैल को 142 सीटें पर वोट डाले गए थे। विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। दोनों चरणों में राज्य में जमकर वोटिंग हुई थी। चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण में 93.19 फीसदी वोटिंग दर्ज की गई थी, वहीं दूसरे चरण में भी 92.67 फीसदी वोटिंग हुई थी। इसी के साथ बंगाल में वोटिंग का कुल औसत 92.93 फीसदी से ज्यादा पहुंच गया, जो कि देश में किसी राज्य में मतदान का नया रिकॉर्ड है।

राज्य में थर्ड जेंडर ने भी जमकर किया मतदान

चुनाव आयोग के अनुसार, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में थर्ड जेंडर के मतदाताओं ने रिकॉर्ड 91.28 प्रतिशत मतदान किया। पहले चरण में यह आंकड़ा 56.79 प्रतिशत था, जो दूसरे चरण में तेजी से बढ़ा।

बंगाल में मतदान के बाद भी कड़ा पहरा

पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण का मतदान संपन्न होने के बाद भी राज्य में सुरक्षा चाक-चौबंद रहेगी। चुनाव आयोग की तैनाती योजना के अनुसार, आज पोलिंग खत्म होने के बाद भी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 700 कंपनियां राज्य में ही रुकी रहेंगी। ये कंपनियां सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और कानून-व्यवस्था की ड्यूटी संभालेंगी। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि अगले आदेश तक ये बल बंगाल में तैनात रहेंगे ताकि चुनावी नतीजों से पहले और बाद में किसी भी तरह की हिंसा या गड़बड़ी को रोका जा सके। यह फैसला राज्य के संवेदनशील माहौल को देखते हुए लिया गया है।

जम्मू में बड़ा हादसा: निर्माण कार्य के दौरान गिरा पुल

कई मजदूरों के दबे होने की आशंका, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

जम्मू। जम्मू के दोमाना के ठठर क्षेत्र में शुक्रवार को पुराने पुल के निर्माण कार्य के दौरान बड़ा हादसा हो गया। निमार्णाधीन पुल का एक हिस्सा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। घटना के समय वहां कई मजदूर काम कर रहे थे, जिनमें से 5 से 7 मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए और तुरंत बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। सेना ने भी मोर्चा संभाल लिया है। जबकि एसएसपी जम्मू जोगिंदर सिंह, तहसीलदार जम्मू नॉर्थ अमन आनंद, एडीसी शेर सिंह राणा, एमएलए जम्मू नॉर्थ शाम लाल शर्मा और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी राहत कार्य में जुट गई हैं। जेसीबी और अन्य भारी मशीनों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार अब तक एक शव बरामद किया गया है और दो मजदूर सुरक्षित बचा लिए गए हैं और चार के फंसे होने की आशंका है। एंबुलेंस भी मौके पर तैनात हैं और राहत कार्य युद्धस्तर पर जारी है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल है और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए हैं। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

मौसम विभागः मई में पड़ेगी भीषण गर्मी; कुछ राज्यों में हीटवेव का अलर्ट, बारिश की बूंदों से राहत के भी आसार

नई दिल्ली । IMD के अनुसार, मई में पूरे भारत में कुल वर्षा सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। हालांकि, पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर और पूर्व-मध्य भारत के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। आइए विस्तार से जानते हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मई महीने को लेकर मौसम का पूवार्नुमान जारी किया है। चेतावनी दी गई है कि देश के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक हीटवेव (लू) के दिन देखने को मिल सकते हैं। खासतौर पर हिमालय की तलहटी वाले इलाकों, पूर्वी तटीय राज्यों, गुजरात और महाराष्ट्र में गर्मी का असर ज्यादा रहने की संभावना है।

बारिश को लेकर क्या अनुमान?

मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय मोहपात्रा ने कहा कि मई के दौरान देश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है, जिससे रात में भी गर्मी से राहत कम मिल सकती है। हालांकि, उत्तर-पश्चिम भारत के कई क्षेत्रों, मध्य भारत के कुछ हिस्सों, प्रायद्वीपीय भारत के आसपास के इलाकों और पूर्वोत्तर भारत के दक्षिणी हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रह सकता है।

IMD के अनुसार, मई में पूरे भारत में कुल वर्षा सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। हालांकि, पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर और पूर्व-मध्य भारत के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है।

तापमान की स्थिति (30 अप्रैल 2026 के अनुसार):

देश के अधिकांश हिस्सों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। विदर्भ, तेलंगाना, मराठवाड़ा, पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों और छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। वहीं, देश के बाकी हिस्सों में यह 34 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

इसके विपरीत, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, गंगीय पश्चिम बंगाल, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम, पूर्वोत्तर भारत और पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में तापमान 34 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया, जिससे वहां अपेक्षाकृत राहत बनी हुई है।

सबसे अधिक तापमानः

महाराष्ट्र के चंद्रपुर (चांदा) में 44.6 डिग्री सेल्सियस के साथ देश का सबसे अधिक अधिकतम तापमान रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन की भीषण गर्मी को दशार्ता है।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 15 जून से शुरू होंगी उड़ानें, शुरूआत में 17 फ्लाइट्स उड़ेंगी

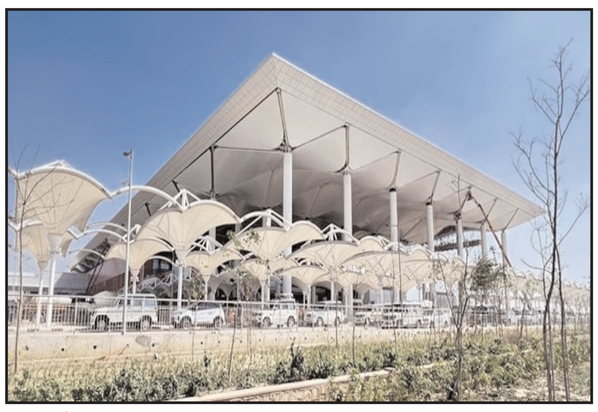

नोएडा। इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने शुक्रवार को आधिकारिक घोषणा करते हुए जानकारी दी है कि यहां से 15 जून 2026 से व्यावसायिक विमान सेवाएं शुरू होंगी। पहली कमर्शियल फ्लाइट इंडिगो द्वारा संचालित की जाएगी। इसके तुरंत बाद अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी अपनी सेवाएं शुरू करेंगे। यही वजह है कि एयरपोर्ट प्रबंधन जून के मध्य तक उड़ान शुरू होने की बात कह रहा है। यीडा व नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) के सीईओ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कॉमर्शियल सेवाएं शुरू हो सकें। इसके लिए हर संभव प्रयास यापल और नायल के स्तर पर किया जा रहा है। एयरपोर्ट से उड़ान शुरू करने के लिए वर्तमान में करीब 70 फ्लाइट के प्रस्ताव पूर्व में मिल चुके हैं। इससे कमोबेश सभी प्रमुख शहरों के लिए उड़ान यहां से शुरू होनी हैं। इंडिगो के अलावा अकासा एयर, एयर इंडिया एक्सप्रेसवे के भी प्रस्ताव इन उड़ान के लिए हैं। जल्दी ही उड़ान यहां से शुरू हो सकेंगीं। एयरलाइंस कंपनियों ने शुरूआत में एयरपोर्ट से 17 फ्लाइट्स शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। एप्रूवल के बाद अब टिकट बुकिंग सेवा शुरू करने की प्रक्रिया को भी अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए।

28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों उद्घाटन हो चुका है। यहां घरेलू और कार्गो टर्मिनल बनकर तैयार है। प्रथम चरण में एयरपोर्ट को 1334 हेक्टेयर में पूरा किया गया है। इसमें 3900 मीटर लंबा पहला रनवे, यात्री टर्मिनल, एटीसी, कार्गो हब शामिल है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं देने के साथ सरकार की आय का बड़ा स्त्रोत बनने जा रहा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) को प्रति यात्री लगभग 496 रुपये की आय होगी। अनुमान है कि अगले 30 वर्षों में इस एयरपोर्ट से कुल कमाई एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। एयरपोर्ट परियोजना के चलते आसपास के क्षेत्रों में जमीन की मांग तेजी से बढ़ी है। यीडा के सीईओ आरके सिंह ने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ यमुना सिटी क्षेत्र का तेजी से विकास हुआ है। केवल जमीन लेकर काम न करने वाली इकाइयों पर सख्ती के अप्रत्याशित सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस यह एयरपोर्ट वर्ष 2060-61 तक एक लाख करोड़ रुपये की आय वाला केंद्र बनेगा।

यूपी में बड़ा हादसा: 60 यात्रियों से भरी बस पलटी

बुद्ध पूर्णिमा पर जा रहे थे गंगा नहाने; 25 अस्पताल में भर्ती

शाहजहांपुर। यूपी के हरपालपुर से 60 यात्रियों को बैठाकर फरुर्खाबाद आ रही प्राइवेट बस शाहजहांपुर के अल्लाहगंज थाना क्षेत्र में गांव रघुनाथपुर के पास शुक्रवार को ओवरटेक करने के दौरान पलट गई। इससे 25 यात्री घायल हो गए। इनमें 11 को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य वहीं उपचार हुआ। बस में सवार अधिकांश यात्री बुद्ध पूर्णिमा के चलते पांचाल घाट पर गंगा स्नान करने जा रहे थे। हरदोई जनपद के हरपालपुर से सुबह प्राइवेट बस में करीब 60 यात्री सवार हुए। चालक बस को तेजी भगा रहा था। कुछ यात्रियों ने उससे सही से बस चलाने के लिए भी कहा। पर उसने एक नहीं सुनी। इस बीच गांव रघुनाथपुर के पास आगे चल रहे वाहन को ओवर टेक करने के प्रयास में बस पलट गई। इससे चीख पुकार मच गई। पुलिस व आसपास के ग्रामीणों ने बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसमें 25 यात्री घायल हो गए। एंबुलेंस से 11 घायल यात्रियों को लोहिया अस्पताल भेजा गया है। इनमें से नौ को भर्ती कर लिया गया। दो यात्रियों को मरहम पट्टी के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना की जानकारी होने पर एसीएमओ डॉ. रंजन गौतम, एसडीएम सदर रजनीकांत पांडेय ने सीओ अभय वर्मा लोहिया अस्पताल में पहुंच कर मरीजों का हाल जाना है। हरदोई थाना पाली के गांव पांडेयपुरवा निवासी राधिका(45), नन्हीं देवी (60), सवायजपुर गांव सलउद्दीपुर के विश्व प्रताप सिंह (31), मिलरगवां की उमाकांती (55), माहरेपुर की गुड्डी (55), रामदेवी (65), अनुष्का (8) पुत्री प्रदीप पाल, नंदबाग के रामलड़ैते (47), जदुवीर सिंह (60), गोकुल बेहटा के गांव रामपुर मानपुर के रंजीत सिंह, अमरेखा के राजू (30) को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महिला के कुंडल व छह हजार रुपये सिपाही ने नहीं दिए

लोहिया अस्पताल में भर्ती हरदोई जिले के थाना सवायजपुर क्षेत्र के गांव मिरगवां निवासी घायल उमाकांती के पुत्र राहुल ने बताया कि बस पलटने पर उनकी मां के कुंडल व छह हजार रुपये वहीं गिर गए थे। बस से निकालने के दौरान एक सिपाही ने कुंडल व रुपये उठा लिए थे। मांगने उसने कहा कि पहले अस्पताल जाकर इलाज कराओ बाद में थाने आकर ले जाना। पर जब राहुल रुपये व कुंडल मांगने गया तो सिपाही ने रुपये व कुंडल लेने से ही इनकार कर दिया। इससे परेशान व्यवस्था कोसता रहा।

बंगाल में मतगणना: 'चप्पे-चप्पे हो रही निगरानी'

एजेंसी

कोलकाता । कोलकाता में मतगणना से पहले राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल ने साफ किया है कि स्ट्रॉन्ग रूम की 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी और कड़ी सुरक्षा के चलते किसी भी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं है। वहीं सीएम ममता के निर्देश पर TMC कार्यकर्ता भी निगरानी कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में मतगणना से पहले सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए हैं। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल ने शुक्रवार को स्पष्ट कहा कि मतगणना केंद्रों पर किसी भी तरह की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि स्ट्रॉन्ग रूम की चौबीसों घंटे सीसीटीवी निगरानी की जा रही है।

सारी शिकायतें निराधार हैं

उन्होंने कहा कि ईवीएम जिन स्ट्रॉन्ग रूम में रखी गई हैं, वहां लगातार निगरानी हो रही है और आम लोग भी बाहर से लगे मॉनिटर के जरिए स्थिति देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि बिना ठोस कारण और सबूत के आरोप लगाना उचित नहीं है। जो शिकायतें सामने आ रही हैं, वे निराधार हैं।

रानजीनित स्तर पर भी बढ़ी सतर्कता

इस बीच राजनीतिक स्तर पर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। सीएम ममता के निर्देश पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता और उम्मीदवार मतगणना केंद्रों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। पार्टी प्रवक्ता और बेलेघाटा सीट से उम्मीदवार कुनाल घोष ने कहा कि पार्टी के पोलिंग एजेंट्स और उम्मीदवारों को खास तौर पर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

घोष ने यह भी आशंका जताई कि शाम के समय जब डाक मतपत्र (पोस्टल बैलेट) मतगणना केंद्रों पर लाए जाते हैं, उस दौरान अनधिकृत गतिविधियों की संभावना हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए पार्टी ने अपने प्रतिनिधियों को चौकन्ना रहने को कहा है।

अभिषेक बनर्जी के आरोपों को किया खारिज

साथ ही उन्होंने टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी के उस आरोप को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि हावड़ा के उदयनारायणपुर में मतदान के दौरान केंद्रीय बलों की धक्का-मुक्की से एक बुजुर्ग मतदाता की मौत हुई।

सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल ने बयान में इसे भय फैलाने की कोशिश बताया। उनके अनुसार, 82 वर्षीय पूर्ण चंद्र डोलुई वोट डालने के बाद उम्र संबंधी बीमारी के कारण अचानक गिर पड़े और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सीईओ ने स्पष्ट किया कि घटना के दौरान कोई धक्का-मुक्की नहीं हुई और पूरी घटना पर्यवेक्षक की मौजूदगी में रिकॉर्ड हुई है। उन्होंने कहा कि इस मौत का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

सुरक्षा व्यवस्था हुई और कड़ी

कोलकाता के खुदीराम अनुशीलन केंद्र, जहां उत्तर और पूर्व कोलकाता की कई विधानसभा सीटों की मतगणना होनी है और ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम मौजूद हैं, वहां सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, अतिरिक्त केंद्रीय अर्धसैनिक बल और सशस्त्र पुलिस बल तैनात किए गए हैं।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) रूपेश कुमार ने इलाके का दौरा करने के बाद बताया कि सुरक्षा व्यवस्था अतिरिक्त पुलिस आयुक्त और डिप्टी कमिश्नर स्तर के अधिकारियों की निगरानी में की जा रही है। साथ ही, सीसीटीवी मॉनिटर देखने के लिए अधिकृत व्यक्तियों को पहचान पत्र जारी किए गए हैं, ताकि किसी भी तरह की अनधिकृत पहुंच को रोका जा सके।

मतगणना से पहले सुप्रीम कोर्ट पहुंची टीएमसी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। यह कदम कोलकाता उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ उठाया गया है। उच्च न्यायालय ने 30 अप्रैल को तृणमूल कांग्रेस की याचिका को खारिज कर दिया था। यह याचिका पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से संबंधित थी। तृणमूल कांग्रेस ने मतगणना में पर्यवेक्षकों की तैनाती पर आपत्ति जताई थी। पार्टी ने केवल केंद्र सरकार के कर्मचारियों को पर्यवेक्षक बनाने के फैसले को चुनौती दी थी। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के कर्मचारी भी शामिल थे। तृणमूल कांग्रेस का मानना था कि यह फैसला निष्पक्षता को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने अपनी याचिका में इस पर गंभीर सवाल उठाए थे। पार्टी ने तर्क दिया था कि यह कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। अब तृणमूल कांग्रेस ने इस महत्वपूर्ण मामले को सर्वोच्च न्यायालय में ले जाने का निर्णय लिया है। तृणमूल कांग्रेस ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि केवल केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती अनुचित है। उनका कहना था कि इससे मतगणना प्रक्रिया की निष्पक्षता पर संदेह पैदा हो सकता है। पार्टी ने राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी पर्यवेक्षक के रूप में शामिल करने की मांग की थी। उन्होंने चुनाव आयोग के इस विशेष फैसले को चुनौती दी थी। तृणमूल कांग्रेस ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में अपील की है। पार्टी ने उम्मीद जताई है कि सर्वोच्च न्यायालय उनकी दलीलों पर गंभीरता से विचार करेगा। वे चाहते हैं कि मतगणना प्रक्रिया में सभी पक्षों की समान भागीदारी सुनिश्चित हो। इस महत्वपूर्ण मामले पर अब सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई होगी। पश्चिम बंगाल में मतदान प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने वोट में हेराफेरी के गंभीर आरोप लगाए हैं।

CMYK

दैनिक बुलन्द मंज़िल

सम्पादकीय

संभल
शनिवार, 02 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

संपादकीय

उत्तेजित राजनीति और सुरक्षा का सवाल

वाशिंगटन में आयोजित पत्रकार भोज के दौरान अचानक फायरिंग ने उस मिथक को झकझोर दिया, जिसके तहत अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य माना जाता है। राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की मौजूदगी में हुई यह घटना केवल एक सुरक्षा चूक नहीं, बल्कि अमेरिकी लोकतंत्र में गहराते वैचारिक विभाजन का संकेत भी है। पिछले कुछ वर्षों में ट्रंप पर हमले के प्रयासों की पुनरावृत्ति अब एक खतरे का आभास कराती है। यह महज संयोग नहीं माना जा सकता कि राजनीतिक ध्रुवीकरण के चरम पर पहुंचते ही हिंसक घटनाएं भी बढ़ने लगें। सवाल यह नहीं कि हमलावर कौन था, बल्कि यह कि ऐसी मानसिकता को खाद-पानी कहां से मिल रहा है। अमेरिकी राजनीति में विरोध की परंपरा हमेशा रही है, लेकिन हाल के दौर में भाषा की मर्यादा और तर्क दोनों ही क्षीण होते दिखाई देते हैं। विरोधियों को 'तानाशाह', 'हिटलर' कहना अब राजनीतिक रणनीति का हिस्सा बन गया है। इस प्रकार की अतिशयोक्तिपूर्ण और उग्र बयानबाजी न केवल संवाद की संभावनाओं को खत्म करती है, बल्कि समाज में अविश्वास और आक्रोश को भी जन्म देती है। सुरक्षा के स्तर पर भी यह घटना कई सवाल खड़े करती है। यदि पूर्व चेतावनियों और संदिग्ध गतिविधियों के बावजूद कोई व्यक्ति इतनी आसानी से सुरक्षा घेरे को भेद सकता है, तो यह केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि संस्थागत शिथिलता का भी संकेत है। विश्व की महाशक्ति होने का दावा करने वाले राष्ट्र के लिए यह स्थिति चिंताजनक है। दरअसल, यह घटना केवल एक व्यक्ति या एक देश तक सीमित नहीं है। यह उस व्यापक संकट की ओर इशारा करती है, जहां लोकतांत्रिक असहमति धीरे-धीरे वैचारिक शत्रुता में बदल रही है। जब राजनीति संवाद के बजाय टकराव का माध्यम बन जाती है, तब ऐसी घटनाएं अपवाद नहीं, बल्कि जरूरी बन जाती हैं। समय की मांग है कि राजनीतिक नेतृत्व, मीडिया और समाज–तीनों मिलकर आत्मसंयम और उत्तरदायित्व की नई मर्यादाएं तय करें।

राजा हिरदेशाह लोधी अंग्रेजों के खिलाफ पहली क्रांति के नायक

प्रहलाद पटेल

नर्मदा टाइगर के नाम से विख्यात, प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (बुंदेलखंड विद्रोह-1842) के महानायक हीरापुर के यशस्वी राजा हिरदे शाह जूदेव लोधी जी के बलिदान दिवस पर हम उन्हें कृतज्ञतापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। राजा हिरदेशाह लोधी ने नरसिंहपुर जिले की हीरागढ़ रियासत से सम्पूर्ण सागर व नर्मदा टेरिटरीज के तहत सागर, दमोह, जबलपुर व नरसिंहपुर जिले के सभी बुंदेला, गौंड़, राजगौंड़ व लोधी राजाओं को संगठित कर अंग्रेजों के विरूद्ध 1842 में बुंदेला विद्रोह का सफल नेतृत्व किया। इस दौरान हीरागढ़- हीरापुर रियासत के परिवारजन गजराज सिंह, सावंत सिंह, लटकन जू, मेहरबान सिंह व ईसरी सिंह ने अंग्रेजों से सभी मोर्चों पर 18 माह तक संघर्ष किया। उस समय हीरागढ़ रियासत के पास 1843 हल्का, 24 हजार 500 सैनिक, 80 बड़ी व 100 छोटी तोपें, 200 गुराब, 7 हाथी, 1600 घोड़े, 500 सांड़ियां (ऊंट) और 200 खच्चर थे। लम्बे संघर्ष को देखकर अंग्रेजों ने राजा हिरदेशाह पर 10 हजार रुपये का इनाम रखा। सागर जिले के शाहगढ़ के राजा बखतबली ने धोखे से राजा हिरदेशाह को उनके परिवार सहित 22 दिसम्बर 1842 को गिरफ्तार करवा दिया। भीषण संघर्ष के बाद ब्रिटिश सरकार को समझौता करना पड़ा और नरसिंहपुर जिले के लगान में 10% की छूट देनी पड़ी। साथ ही सभी भ्रष्ट अधिकारियों का तबादला करना पड़ा। इसके बाद 1843 में नरसिंहपुर को फिर से जिला बनाने के लिए अंग्रेजी हुकूमत को मजबूर होना पड़ा।

हीरापुर के राजघराने ने अपनी मातृ भूमि की रक्षा के लिए 1857 की क्रांति में भी जिले का नेतृत्व किया। राजा हिरदेशाह के भाई गजराज सिंह भी संघर्ष करते रहे। अंग्रेजों ने उन्हें जबलपुर के चांडाल भाटा में 29 नवम्बर 1857 को फांसी दे दी। उनका 50 किलो का बख्तर, 25 किलो का तोप, 25 किलो का गुटन्रा अभी भी नागपुर के म्यूजियम में सुरक्षित रखा गया है। 1857 की क्रांति में नरसिंहपुर जिले का नेतृत्व फिर से हीरापुर के राजा हिरदेशाह के पुत्र मेहरबान सिंह ने किया, जो जंगीराजा उप नाम से जाने जाते थे। पूरी ताकत झौंकने के बावजूद अंग्रेज क्रांतिकारी मेहरबान सिंह को अंत तक गिरफ्तार नहीं कर पाये। वृद्ध राजा हिरदेशाह ने अंग्रेजों की शर्तें मानने से इंकार कर दिया। इस कारण से 3 अप्रैल 1857 को अंग्रेजों ने हीरागढ़ रियासत की सम्पत्ति राजसात कर ली।

28 अप्रैल पुण्यतिथि पर विशेष

नरसिंहपुर के कैप्टन टर्नन व कैप्टन वूली ने मिलकर देवी सिंह गोठिया को उनके बेटे जगत सिंह व मुदरी पटैल को साथियों के साथ मार्शल लॉ के तहत 15 दिसम्बर को फांसी दे दी। कैप्टन टर्नन ने 23 नवम्बर 1857 को कैप्टन राबर्टस के साथ दीवान गंजन सिंह के प्रमुख गढ़ सिंगपुर पर हमला किया। यहां गन्ने के खेत में करीब 150 से 200 मशालचियों के साथ गंजन सिंह एवं दलगंजन सिंह ने भयंकर युद्ध किया। इसमें केवल 43 योद्धा जीवित बचे, इनमें से एक गंजन सिंह भी थे। बाकी सभी शहीद हो गये। गंजन सिंह को 23 नवम्बर 1857 की शाम को भीड़ भरे क्षेत्र देवरी में फांसी दे दी गई। काफी संघर्ष के बाद अंग्रेजों ने दलगंजन सिंह को पकड़ कर 23 नवम्बर को ही फांसी दे दी। इसके बाद 24 नवम्बर 1857 को 22 अन्य लोगों को भी मार्शल लॉ के तहत फांसी दे दी गई। इन दो दिनों में भीषण संघर्ष हुआ और करीब 200 वीर योद्धा अपने जन्म भूमि के लिए शहीद हो गये। वर्ष 1857 में ही नरसिंहपुर के परेड मैदान में अंग्रेजों ने क्रांतिकारी सिपाही गजाधर तिवारी को तोप से उड़ा दिया। मदनपुर के राजा डेलनशाह के पुत्र रघुराज सिंह और 15 अन्य क्रांतिकारियों को ढिलवार में 17 जनवरी 1858 को फांसी दे दी गई। मदनपुर के राजा डेलनशाह को भी 23 मई 1858 को ढिलवार के किले के पास बरगद के पेड़ पर फांसी दे दी गई। हीरापुर की महारानी रमावति का 25 अप्रैल 1858 को स्वर्गवास हो गया। इसके ठीक 3 दिन बाद महान क्रांतिकारी राजा हिरदेशाह लोधी भीषण मारकाट से दुखी होकर 28 अप्रैल 1858 को इस दुनिया से चल बसे।

1842 और 1857 के दोनों आंदोलनों में राजा हिरदेशाह को उनकी बिरादरी के लोधी राजाओं, तालुकेदारों, जागीरदारों, प्रजाजनों तथा गोंड़ राजाओं और उनकी प्रजा का सक्रिय सहयोग प्राप्त रहा। ब्रिटिश अभिलेखों में उन्हें विद्रोह का प्रमुख नायक माना गया है, किंतु अनेक भारतीय इतिहासकारों द्वारा उनके अद्वितीय त्याग और बलिदान को अपेक्षित सम्मान नहीं दिया गया। राजा हिरदेशाह जूदेव के अधीनस्थ हीरागढ़ राज्य में 1883 गाँव सम्मिलित थे। दुर्भाग्यवश, उनके वंशज राजा कोशलेन्द्र सिंह जूदेव को स्वतंत्र भारत में उनके पूर्वजों की विशाल संपत्ति में से मात्र 101 एकड़ भूमि प्रदान की गई, जिसे भी कालांतर में वन विभाग द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया। आज वे एक साधारण किसान के रूप में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। नरवर शाह, डेलन शाह के साथ अन्य क्रांतिवीरों के वंशज भी आर्थिक अभाव के साथ जीवन यापन कर रहे हैं। अपने परिवार की स्वाभिमानी परंपरा निभाते हुए वंशजों ने कभी किसी सरकार के आगे हाथ नहीं फैलाया लेकिन यह दर्द तो है कि देश की आज़ादी के लिए सर्वस्व लुटा देने के बावजूद किसी को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा नहीं दिया गया। आजादी के अमृत महोत्सव में इन क्रांतिवीरों के बलिदान को देश के सामने लाने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिया है, इसके लिए इतिहास के प्रमाणिकता के साथ पुनः लेखन की जरूरत है। हम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इस अमर बलिदानी वीर नर्मदा टाइगर राजा हिरदेशाह लोधी को उनके बलिदान दिवस पर सादर नमन एवं श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

(लेखक म.प्र. सरकार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा श्रम विभाग के मंत्री हैं)

तपती हवाओं और झुलसती धरती के बीच आज का भारत एक गंभीर पर्यावरणीय संकट से गुजर रहा है। यह केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि हमारी विकास नीतियों और प्रकृति के साथ असंतुलित रिश्ते का परिणाम है। बढ़ती गर्मी हमें चेतावनी दे रही है कि हम अब भी नहीं संभले, तो भविष्य और भी भयावह हो सकता है।

तपती धरती और भविष्य के संकट की चेतावनी

भारत इन दिनों भीषण गर्मी की आग में झुलस रहा है। मध्य प्रदेश सहित अधिकांश राज्य इस भीषण गर्मी की गिरफ्त में हैं, ऐसी गर्मी, जो केवल मौसम का मिजाज नहीं, बल्कि एक गहरी वैश्विक चेतावनी बन चुकी है। एक हालिया रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के 100 शहर लू की चपेट में हैं, जिनमें से 95 भारत के हैं। यह बेहद चिंतनीय है। यह स्थिति संयोग नहीं, संकेत है उस असंतुलन का, जिसे हमने स्वयं जन्म दिया है। राजस्थान से लेकर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र से दिल्ली तक, तापमान 45-46 डिग्री सेल्सियस को पार कर रहा है। मध्य प्रदेश के खजुराहो जैसे सांस्कृतिक नगर भी इस झुलसती तपिश से अछूते नहीं हैं। हालात इतने विकराल हैं कि कई राज्यों में स्कूलों को बंद करना पड़ा है।

अब प्रश्न यह उठता है कि क्या यह केवल प्रकृति का प्रकोप है? या फिर यह हमारी अपनी नीतियों, प्राथमिकताओं और लालच का परिणाम है? सच यह है कि इस बढ़ती गर्मी के पीछे प्रकृति कम, मानवीय हस्तक्षेप अधिक जिम्मेदार है। हमने विकास के नाम पर जिस प्रकार प्रकृति के साथ समझौता किया है, वही आज संकट का कारण बन गया है। वनों की अंधाधुंध कटाई इस त्रासदी का सबसे बड़ा आधार है। जंगल, जो कभी पृथ्वी के फेफड़े कहे जाते थे, आज तेजी से सिमटते जा रहे हैं। पेड़ केवल हरियाली नहीं देते, वे तापमान को नियंत्रित करते हैं, जल चक्र को संतुलित रखते हैं और वातावरण को जीवनदायी बनाते हैं। जब ये वृक्ष कटते हैं, तो केवल हरापन नहीं जाता, बल्कि धरती का संतुलन भी बिखर जाता है।

इसके अलावा, अनियोजित शहरीकरण ने इस संकट को और तीव्र किया है। हमने खुले मैदानों और उपजाऊ भूमि को कंक्रीट के ढांचे में बदल दिया है। शहर अब 'हीट आइलैंड' बन चुके हैं, जहां सीमेंट और डामर दिनभर की गर्मी को सोखकर रात तक वातावरण को तप्त बनाए रखते हैं। यह कृत्रिम तापमान वृद्धि हमारी ही बनाई हुई समस्या है, जिसका दुष्प्रभाव अब हमारे स्वास्थ्य और जीवनशैली पर स्पष्ट दिखने लगा है। बढ़ता कार्बन उत्सर्जन इस संकट की एक और भयावह परत है। उद्योगों, वाहनों और ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें वातावरण को गर्म कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कठोर सच्चाई बन चुका है। असामान्य गर्मी, अनियमित वर्षा और बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं इसी परिवर्तन की प्रत्यक्ष अभिव्यक्तियां हैं।

यदि विकास का यह अनियोजित और असंतुलित स्वरूप जारी रहा, तो आने वाला समय और अधिक भयावह होगा। यह केवल तापमान की वृद्धि नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता में गिरावट का संकेत है। आने वाली पीढ़ियों के लिए यह पृथ्वी सुरक्षित और संतुलित रहे, इसके लिए आज ही निर्णायक कदम उठाने होंगे। अब आवश्यकता है एक सजग और संवेदनशील मानवीय चेतना की। हमें अपने व्यवहार और जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। वृक्षारोपण को अभियान नहीं, संस्कार बनाना होगा, ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को अपनाना होगा, जल और संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना होगा। हमें यह समझना होगा कि विकास और प्रकृति विरोधी नहीं, पूरक हो सकते हैं, यदि हम संतुलन बनाए रखें। अन्यथा, यह तपती धरती केवल मौसम की मार नहीं रहेगी, बल्कि हमारे अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा प्रश्न बन जाएगी।

■ **जसवंत सिंह राजपूत**

जीवनशैली

केसीसी, संकट नहीं, अवसर

कर्ज नहीं, समझ है असली सुरक्षा कवच

ग्रामीण भारत की धड़कन खेती है और किसान उसकी आत्मा। लेकिन जब यही किसान कर्ज के जाल में उलझता है, तो डर और भ्रम उसकी राह रोक देते हैं। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) जैसी योजनाएं राहत देने के लिए हैं, न कि भय पैदा करने के लिए जरूरत है सही जानकारी और भरोसे की।

गलतफहमियों का जाल कर्ज और डर

आज भी लाखों किसानों के मन में यह आशंका बनी रहती है कि यदि वे केसीसी का कर्ज समय पर नहीं चुका पाए, तो उनकी जमीन तुरंत नीलाम कर ली जाएगी। यह डर कई बार उन्हें इस लाभकारी योजना से दूर कर देता है। जबकि वास्तविकता यह है कि बैंक सीधे कठोर कदम नहीं उठाते, बल्कि पहले संवाद और समाधान का रास्ता अपनाते हैं।

केसीसी: किसानों के लिए भरोसे का आधार

किसानों को साहूकारों के चंगुल से मुक्त कराने और सस्ती दरों पर ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 1998 में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना की शुरुआत की गई थी। इस पहल ने छोटे और सीमांत किसानों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ते हुए खेती के लिए आर्थिक सहारा दिया। बीज, खाद, सिंचाई जैसे आवश्यक खर्चों के लिए अब उन्हें बार-बार आवेदन नहीं करना पड़ता, बल्कि एक लचीली क्रेडिट व्यवस्था के तहत जरूरत के अनुसार ऋण मिलता है।

लोन की सीमा और ब्याज का लाभ

केसीसी के तहत आमतौर पर 50 हजार से लेकर 3 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है, जो किसान की जमीन और आवश्यकताओं के अनुसार बढ़ भी सकता है। यदि किसान समय पर कर्ज चुका देता है, तो उसे ब्याज में सब्सिडी का लाभ मिलता है और प्रभावी ब्याज दर लगभग 4 प्रतिशत तक रह जाती है। यह सुविधा किसानों के लिए आर्थिक रूप से काफी राहतकारी साबित होती है।

डिफॉल्ट की स्थिति: प्रक्रिया समझना जरूरी

जब किसान किसी कारणवश समय पर कर्ज नहीं चुका पाता, तो बैंक तुरंत कार्रवाई नहीं करता। सबसे पहले रिमाइंडर और नोटिस भेजे जाते हैं। यदि 90 दिनों तक भुगतान नहीं होता, तो खाता एनपीए घोषित होता है। इसके बाद भी बैंक समझौते और समाधान की कोशिश करता है। केवल अंतिम स्थिति में ही मामला प्रशासन तक पहुंचता है, जहां इसे राजस्व बकाया मानकर वसूली प्रक्रिया शुरू होती है।

नीलामी: अंतिम विकल्प, पहला नहीं

जमीन की कुर्की और नीलामी बैंक की अंतिम कार्रवाई होती है, न कि पहला कदम। नीलामी से पहले किसान को सार्वजनिक नोटिस दिया जाता है और उसे बकाया चुकाने का अंतिम अवसर भी मिलता है। यदि नीलामी होती है, तो उससे प्राप्त राशि में से बैंक अपना कर्ज वसूल करता है और शेष रकम किसान को लौटा दी जाती है। यह प्रक्रिया पारदर्शिता और नियमों के तहत होती है।

राहत के रास्ते भी हैं खुले

हर स्थिति में नीलामी अनिवार्य नहीं होती। प्राकृतिक आपदाएं, सरकारी कर्ज माफी योजनाएं, फसल बीमा क्लेम जैसे कई कारक किसानों को राहत दिला सकते हैं। इसके अलावा, लोन री-स्ट्रक्चरिंग और वन टाइम सेटलमेंट जैसे विकल्प भी उपलब्ध हैं। यदि किसान को लगता है कि उसके साथ अन्याय हुआ है, तो वह न्यायालय या संबंधित प्राधिकरण में अपील भी कर सकता है।

संवाद ही समाधान की कुंजी

इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसान बैंक से संवाद बनाए रखें। समय रहते जानकारी लेना और समस्या साझा करना ही सबसे प्रभावी उपाय है। केसीसी योजना किसानों को सशक्त बनाने का माध्यम है, बशर्ते वे इसके नियमों और अधिकारों को सही ढंग से समझें। यह स्पष्ट है कि केसीसी कर्ज कोई संकट नहीं, बल्कि अवसर है, जरूरत है तो केवल जागरूकता और सही दृष्टिकोण की।

बच्चों की जिद में हर 'हां' सही नहीं, 'ना' भी नहीं जरूरी

क्या आप भी अपने बच्चे की हर जिद पर बिना सोचे-समझे 'हां' कह देते हैं? आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में माता-पिता अक्सर बच्चों को खुश रखने के लिए उनकी हर इच्छा पूरी कर देते हैं। लेकिन यही आदत धीरे-धीरे बच्चों के स्वभाव और भविष्य को प्रभावित कर सकती है, जहां 'ना' कहना भी जरूरी हो जाता है।

अंधी सहमति: प्यार या कमजोरी?

हर माता-पिता अपने बच्चों को खुश देखना चाहते हैं, लेकिन हर मांग पूरी करना सही परवरिश का संकेत नहीं है। खासतौर पर आज की युवा पीढ़ी, जो खुद आधुनिक सोच के साथ बड़ी हुई है, अपने बच्चों को हर सुख देना चाहती है। वे मानते हैं कि इससे बच्चा खुश रहेगा, लेकिन यह सोच कई बार बच्चों को जिद्दी और असहिष्णु बना देती है। प्यार और अनुशासन का संतुलन ही सही पालन-पोषण की असली कसौटी है।

जिद को बढ़ावा देने का खतरा

बच्चों की हर बात मान लेना शुरुआत में आसान लगता है, लेकिन इसका दीर्घकालिक असर गंभीर हो सकता है। जब बच्चे को हर बार 'हां' मिलती है, तो वह यह मान बैठता है कि उसकी हर इच्छा पूरी होना उसका अधिकार है। इससे उसमें धैर्य की कमी, गुस्सा और असंतुलित व्यवहार विकसित होने लगता है। इसलिए जरूरी है कि समय रहते इस प्रवृत्ति को समझा जाए।

'ना' कहने से मिलती है सीख

जब माता-पिता बच्चे को 'ना' कहते हैं, तो वह जीवन की एक महत्वपूर्ण सच्चाई सीखता है– हर इच्छा पूरी नहीं हो सकती। यह सीख उसे धैर्य, संयम और परिस्थितियों को स्वीकार करने की क्षमता देती है। 'ना' केवल मना करना नहीं, बल्कि जीवन के यथार्थ से परिचित कराना है, जो आगे चलकर उसके व्यक्तित्व को मजबूत बनाता है।

समझदारी भरे लहजे में बात करें

किन परिस्थितियों में बच्चों को 'ना' करना है जरूरी

कुछ स्थितियां ऐसी होती हैं जहां 'ना' कहना बेहद जरूरी हो जाता है। जैसे जंक फूड की आदत, देर रात तक मोबाइल चलाना, वीडियो गेम्स में अत्यधिक समय बिताना या गलत व्यवहार करना। यदि बच्चा झूठ बोलने लगे, दूसरों से अभद्रता करे या जिद्दी व्यवहार दिखाए, तो तुरंत हस्तक्षेप आवश्यक है। यह हस्तक्षेप ही सही दिशा देने का पहला कदम होता है।

सही समय की पहचान का महत्व

'ना' कहने का सही समय वही होता है जब बच्चा किसी गलत आदत की ओर बढ़ रहा हो। शुरुआती चरण में रोक लगाने से आदतें बनने से पहले ही खत्म हो जाती हैं। यदि देर हो जाए, तो वही आदतें गहरी जड़ पकड़ लेती हैं और उन्हें बदलना कठिन हो जाता है। इसलिए सजगता ही सफल अभिभावक की पहचान है।

कैसे कहें 'ना': तरीका भी अहम

'ना' कहने का तरीका उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका उद्देश्य। गुस्से या डांट से बच्चा डर सकता है या और जिद्दी बन सकता है। इसके बजाय शांत और समझदारी भरे लहजे में बात करें। उदाहरण के लिए, स्मार्टफोन के उपयोग पर रोक लगाते समय उसके दुष्प्रभाव समझाएं और उसे किसी रचनात्मक गतिविधि की ओर प्रेरित करें। यही तरीका प्रभावी और सकारात्मक परिणाम देता है।

संतुलन ही सही परवरिश

सही परवरिश का अर्थ केवल प्यार देना ही नहीं, बल्कि सीमाएं तय करना भी है। 'हां' और 'ना' के बीच संतुलन बनाकर ही बच्चे को जिम्मेदार, संवेदनशील और समझदार नागरिक बनाया जा सकता है। याद रखें, आज का सही 'ना' ही बच्चे के बेहतर कल की नींव रखता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''गिलेडविन मसीह'' के लिए ''बुलंद मंज़िल'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद से मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०बी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

आम के पेड़ पर लटका मिला मजदूर का शव, क्षेत्र में सनसनी—परिवार में मचा कोहराम

रहस्यमयी हालात में मौत, एक दिन पहले काम से निकला था युवक—पत्नी और दो मासूम बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल

मृतक गौरव जाटव का फाइल फोटो

रोते बिलखते परिजन

शव को फांसी के फंदे से नीचे उतरकर खेत से बाहर लाती हुई पुलिस

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर। थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक का शव आम के पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर पहचान कराने की कोशिश शुरू की। कुछ ही देर में मृतक की पहचान संभल जनपद के गांव देहपा निवासी 25 वर्षीय गौरव जाटव पुत्र रामफल के रूप में हुई, जो पिछले तीन महीने से आदमपुर में अपने परिवार के साथ रह रह थे। परिजनों के अनुसार, गौरव मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। मृतक के साले विजेंद्र ने बताया कि बीते बुधवार को बहनोई गौरव गांव के ही कुछ लोगों के साथ संभल के पैतिया रसूलपुर गांव में चिनाई के काम पर गए थे। गुरुवार दोपहर वह अचानक वहां से बिना किसी को बताए कहीं चले गए । देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटे, तो परिवार को चिंता होने लगी और उनकी तलाश शुरू की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

शुक्रवार सुबह आदमपुर निवासी विपिन कुमार सैनी के मेंथा के खेत में खड़े आम के पेड़ पर एक अज्ञात युवक का शव लटका होने की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया और आसपास के लोगों से पहचान कराई, जिसके बाद यह स्पष्ट हुआ कि शव गौरव जाटव का है।

घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया। पत्नी अनीता और दो छोटे बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के सामने अब रोजी-रोटी का संकट भी खड़ा हो गया है। ग्रामीणों में भी घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं हैं और मौत को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मान रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से नीचे उतरा कर पोस्टमार्टम को भेजो व मामले की जांच में जुटी है और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू पर जांच की जा रही है। यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोगों में दहशत का माहौल है।

दहेज की भूख ने फिर तोड़ा रिश्ता, विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

जान से मारने की धमकी और जेवर हड़पने का आरोप; पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। थाना अमरोहा नगर क्षेत्र से एक विवाहिता द्वारा दहेज उत्पीड़न और मारपीट के गंभीर आरोप लगाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोहल्ला हाशमी नगर निवासी हसीना खातून ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसका पहला निकाह वर्ष 2014 में इमरान पुत्र मेराज के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था, जिससे उसे तीन बच्चे हैं। पारिवारिक जीवन वर्ष 2021 तक सामान्य रहा, लेकिन आपसी विवाद के चलते दोनों के बीच तलाक हो गया। इसके बाद वर्ष 2025 में परिवार की सहमति से उसका दूसरा निकाह मुरादाबाद जनपद के थाना नागफनी क्षेत्र स्थित दसवां घाट निवासी जुबैर अब्बासी पुत्र रईस अब्बासी के साथ कराया गया।

पीड़िता के अनुसार, शादी के समय उसके परिवार ने अपनी हैसियत के अनुसार दान-दहेज भी दिया था। शुरूआती कुछ दिनों तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन जल्द ही पति जुबैर, उसके मामा शाहनवाज, मुशर्रफ और ननद राबिया द्वारा दहेज को लेकर ताने दिए जाने लगे। आरोप है कि अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा।

हसीना ने बताया कि उसके साथ कई बार मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी भी दी गई। इतना ही नहीं, उसने यह भी आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के कुछ सदस्यों द्वारा उस पर गलत नजर रखी जाती थी, जिससे वह भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर थी। पीड़िता के मुताबिक, ससुराल पक्ष द्वारा कार जैसी महंगी वस्तुओं की मांग की जाती रही और मांग पूरी न होने पर उसे घर से निकाल दिया गया। पीड़िता का यह भी कहना है कि उसके पति जुबैर ने उसके जेवरात बेचकर पैसे हड़प लिए और उसे उसके मायके अमरोहा छोड़ दिया। इसके बाद जब उसने फोन पर ससुराल पक्ष से संपर्क करने की कोशिश की, तो उन्होंने साफ तौर पर दहेज की मांग पूरी किए बिना उसे घर में रखने से इनकार कर दिया।

न्याय की गुहार लगाते हुए हसीना खातून ने थाना अमरोहा नगर में तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आधी रात में घर में घुसकर नाबालिग को उठाया, दुष्कर्म कर धमकी देकर छोड़ा-आरोपी गिरफ्तार

डिडौली थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां 15 वर्षीय किशोरी को घर से उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली। थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म की सनसनीखेज घटना ने इलाके में दहशत फैला दी है। पीड़िता के पिता द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, घटना 29 अप्रैल की रात करीब 12 बजे की है, जब उनकी 15 वर्षीय पुत्री घर में अकेली सो रही थी। इसी दौरान थाना क्षेत्र के गांव नौरंगी निवासी सिद्धार्थ पुत्र जयपाल कथित रूप से घर में घुस आया और किशोरी को जबरन अपने साथ ले गया।

आरोप है कि आरोपी किशोरी को अपने घर ले गया, जहां उसने उसे एक कमरे में बंद कर उसकी इच्छा के विरुद्ध दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि पूरी रात उसे बंदी बनाकर रखा गया और सुबह होने पर आरोपी उसे घर के बाहर छोड़कर फरार हो गया। जाते समय आरोपी ने किसी को घटना बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

घबराई किशोरी ने घर पहुंचते ही अपने माता-पिता को पूरी आपबीती सुनाई। परिजन बिना देर किए थाना डिडौली पहुंचे और पुलिस को लिखित शिकायत दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धारा 64(1)/333/137(2)/127(2)/351(2) बीएनएस व 3/4(2) पोक्सो एक्ट के आरोपी सिद्धार्थ पुत्र जयपाल निवासी गांव नौरंगी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

इस घटना के बाद गांव में आक्रोश और भय का माहौल है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे और आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अपराधियों में हड़कंप: हसनपुर पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई, 5 गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अमरोहा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के निकट पर्यवेक्षण में थाना हसनपुर पुलिस टीम ने सक्रिय कार्रवाई करते हुए पांच वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा संज्ञेय मुकदमों में वांछित चल रहे अभियुक्तों को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में असलम पुत्र शौकत (कनेटा रोड हसनपुर), नेपाल पुत्र चिरंजी, गौरव पुत्र नेपाल (ग्राम लुहारी खादर), मनोज कुमार पुत्र हुकुम सिंह (ग्राम अल्लीपुर मिलक) तथा अमरकान्त पुत्र सर्वेश कुमार (रहरा अड्डा, हसनपुर) शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अंतर्गत गिरफ्तार कर उपजिलाधिकारी न्यायालय हसनपुर के समक्ष प्रस्तुत किया।

रफ्तार का कहर: तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को रौंदा, दो की मौके पर मौत

दैनिक बुलंद मंज़िल

रजबपुर। जनपद में एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही भरे वाहन ने दो जिंदगियां निगल लीं। शुक्रवार तड़के करीब 5:10 बजे रजबपुर थाना क्षेत्र के सुदनपुर अतरासी रोड पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें ऑटो सवार दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमरोहा नगर थाना क्षेत्र के मोहल्ला किशनगढ़ फ्रेश कॉलोनी निवासी पिन्टू पुत्र परम सिंह अपने साथी नीरज पुत्र लल्लू सिंह निवासी मोहल्ला काला कुआं के साथ ऑटो रिक्शा से मेरठ से अमरोहा लौट रहे थे। जैसे ही उनका ऑटो सुदनपुर अतरासी रोड पर पहुंचा, सामने से आ रहे एक ट्रक के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए ऑटो में जबरदस्त टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही रजबपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया।

हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त मार्ग पर अक्सर तेज रफ्तार वाहनों के कारण हादसे होते रहते हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। मृतक पिन्टू के भाई दुष्यंत सिंह की तहरीर पर पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल चालक का नाम-पता अज्ञात बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी गई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मुकदमा वापस लो वरना मौत तय! महिला को बेटी समेत खत्म करने की खुली धमकी से हड़कंप

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नगली। थाना क्षेत्र में एक गंभीर मामला सामने आया है जिसमें एक महिला पीड़िता को चल रहे आपराधिक मुकदमे में गवाही नहीं देने और मुकदमा वापस लेने के लिए लगातार दबाव बनाने, धमकाने तथा उसकी नाबालिग बेटी को नुकसान पहुंचाने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अलीगढ़ निवासी जोया तस्लीम पुत्री तस्लीम उमर ने थाना सैदनगली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह मु0अ0सं0 348/25 दिनांक 09.12.2025 की पीड़िता है। पीड़िता का कहना है कि इस मामले में उसने पूर्व में भी दिनांक 20.02.2026 को शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन इसके बावजूद आरोपी पक्ष द्वारा उसे लगातार परेशान किया जा रहा है।

पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी अजहर नवाज, शाहनवाज, हकीम निशात, मौलाना नदीम और तय्यब सहित अन्य लोग उस पर मुकदमा वापस लेने और कोर्ट में गवाही नहीं देने का दबाव बना रहे हैं। आरोप है कि 12.12.2025 के बाद से लगातार अलग-अलग मोबाइल नंबरों से फोन कर उसे धमकियां दी जा रही हैं।

तहरीर के अनुसार, जिन लोगों पर धमकी देने का आरोप है उनमें अर्श चौधरी उर्फ आशू, महरोज चौधरी उर्फ रूही, काशिफ, इरम चौधरी उर्फ मोटो, वजाहत चौधरी उर्फ डा० बब्बन, शाहनवाज तथा फिरोज उर्फ कल्लन सहित अन्य लोग शामिल हैं। सभी आरोपी ग्राम ढक्का थाना सैद नगली क्षेत्र के बताए गए हैं।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि फोन कॉल्स के दौरान उसे स्पष्ट रूप से कहा गया कि यदि उसने मुकदमा वापस नहीं लिया तो उसे जान से मार दिया जाएगा। इतना ही नहीं, उसकी नाबालिग बेटी उमेमा उर्फ आयत को भी नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई। पीड़िता का कहना है कि आरोपियों द्वारा उसे मानसिक रूप से डराने के लिए उसकी बेटी के रोने और चिल्लाने की आवाज भी फोन पर सुनाई जाती है।

तहरीर में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपियों द्वारा व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के माध्यम से लगातार संदेश भेजकर दबाव बनाया जा रहा है। कुछ संदेशों में उसे किसी का नाम न लेने और मामले को समाप्त करने के लिए मजबूर किया गया। अलग-अलग तारीखों और समय पर लगातार कॉल और मैसेज कर मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। पीड़िता ने पुलिस को चैट रिकॉर्ड, कॉल डिटेल्स और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं। उसका कहना है कि वह लगातार भय के माहौल में जी रही है और उसे तथा उसकी बेटी को गंभीर खतरा है।

थाना सैद नगली पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा पीड़िता की सुरक्षा को लेकर भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

36 वर्ष पुराने हत्या मामले के वांरटी को दबोचा, न्यायालय में किया पेश

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला। अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार के नेतृत्व में थाना गजरौला पुलिस टीम ने एक वांरटी जामिनदार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बीडब्लू बाबू उर्फ बाबूराम पुत्र खचेड़ू, निवासी ग्राम कांकाठेर थाना गजरौला, हाल निवासी मोहल्ला कटरावक्तावर सिंह थाना अमरोहा नगर जनपद अमरोहा को हिरासत में लिया। यह अभियुक्त उच्च न्यायालय इलाहाबाद में लंबित अपील संख्या 1003/1989, धारा 302/34 भादवि से संबंधित प्रकरण में वांरट पर था।

जानकारी के अनुसार अभियुक्त की पेशी दिनांक 01.05.2026 को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अमरोहा की अदालत में निर्धारित थी, जिसके अनुपालन में उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

अमरोहा देहात पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। अमरोहा देहात थाना पुलिस ने पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नौगाँवा सादात अवधभान सिंह भदौरिया व प्रभारी निरीक्षक थाना अमरोहा देहात शोकेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में की गई।

पुलिस टीम द्वारा की गई इस कार्रवाई में 1. मुन्ने पुत्र लतीफ तथा 2. लियाकत अली पुत्र लतीफ दोनों निवासी ग्राम नन्हैड़ा थाना अमरोहा देहात जनपद अमरोहा को गिरफ्तार किया गया। दोनों अभियुक्तों को धारा 126/135/170 बीएनएसएस के अंतर्गत विधिक कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के उपरांत दोनों अभियुक्तों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूर्ण करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त संदेश गया है।

CMYK

रहरा पुलिस ने 3 संदिग्ध अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, एसडीएम कोर्ट भेजा

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी हसनपुर सर्किल पंकज कुमार त्यागी एवं प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के तहत थाना रहरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मिशन शक्ति टीम द्वारा संज्ञेय अपराध कारित करने की परिकल्पना रखने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया

है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 03 नफर अभियुक्तों को धारा 170 बीएनएसएस के अंतर्गत हिरासत में लिया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद उन्हें एसडीएम कोर्ट हसनपुर, जनपद अमरोहा में पेश किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों में रिंकू पुत्र गंगासरण निवासी ग्राम सिरसा कला, थाना रहरा, नाजिल पुत्र सहादत , निवासी ग्राम शकरगढ़ी, थाना रहरा तथा फईम पुत्र अशफाक , निवासी ग्राम शकरगढ़ी, थाना रहरा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार मिशन शक्ति अभियान के तहत क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु ऐसे अभियानों को आगे भी सख्ती से जारी रखा जाएगा।

स्कूल गेट के बाहर हैवानियत! नाबालिग छात्रा की स्कूटी रोक दी जान से मारने की धमकी

दैनिक बुलंद मंज़िल

रजबपुर। थाना क्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ और धमकी का मामला सामने आया है, जिसने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना बीते बुधवार की दोपहर करीब एक बजे की बताई जा रही है, जब छात्रा अपनी छोटी बहन और भाई को स्कूल से लेकर घर लौट रही थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने थाना रजबपुर में दी तहरीर में बताया कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी से रजबपुर में स्थित

एक पब्लिक स्कूल से अपने छोटे भाई-बहनों को लेकर घर लौट रही थी। जैसे ही वह स्कूल गेट से कुछ दूरी पर पहुंची, तभी रास्ते में हिमायूं नगर निवासी लक्की पुत्र अशोक ने उसकी स्कूटी को जबरन रोक लिया। आरोप है कि युवक ने छात्रा के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गंदी-गंदी गालियां दीं। जब छात्रा ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोग जब छात्रा की मदद के लिए पहुंचे, तो आरोपी मौके से फरार हो गया।

पीड़िता ने घर पहुंचकर अपनी मां को पूरी घटना की जानकारी दी, जिसके बाद परिजन उसे लेकर थाना रजबपुर पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। परिजनों का कहना है कि आरोपी भविष्य में उनकी बेटी के साथ किसी भी बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है, जिससे वे बेहद डरे हुए हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कार नहीं मिली तो घर नहीं: दहेज के लिए नवविवाहिता को ठुकराया

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला। दहेज की बढ़ती लालसा एक बार फिर एक विवाहिता के जीवन पर भारी पड़ गई। थाना क्षेत्र के गांव तिगरिया भूड़ की रहने वाली अमरिता ने अपने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता अमरिता ने बताया कि उसकी शादी करीब एक वर्ष पूर्व 30 जुलाई 2025 को गांव अहरौला तेजवन निवासी सोबित

के साथ हुई थी। विवाह के समय उसके माता-पिता ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार सभी आवश्यक सामान और उपहार दिए थे, लेकिन ससुराल पक्ष इससे संतुष्ट नहीं हुआ। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति सोबित, सास सुनीता, ससुर सुरेश और ननद शीतल लगातार अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे।

अमरिता के अनुसार, ससुराल वाले उससे मायके से एक कार और एक लाख रुपये लाने का दबाव बनाते थे। जब उसने इस मांग को पूरा करने में असमर्थता जताई, तो उसके साथ मारपीट की गई और उसे घर से निकाल दिया गया। पीड़िता का कहना है कि वह 23 दिसंबर 2025 से अपने मायके में रह रही है और इस दौरान ससुराल पक्ष का कोई भी सदस्य उसे लेने नहीं आया।

न्याय की आस में अमरिता थाना गजरौला पहुंची और अपनी आपबीती पुलिस को सुनाई। उसने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रास्ता रोककर लाठी-डंडों से हमला कर किया लहूलुहान दी जान से मारने की धमकी

दैनिक बुलंद मंज़िल

नौगांवा सादात। दावत से लौट रहे युवक पर घात लगाकर किए गए हमले का मामला सामने आया है। थाना नौगांवा सादात क्षेत्र के गांव धावड़ी निवासी ऋतिक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका भाई आशीष 29 अप्रैल की रात करीब 9 बजे अमरोहा से लौट रहा था। जैसे ही वह गुलड़िया क्षेत्र में पहुंचा, पहले से घात लगाए बैठे गांव के ही विपिन और श्रवण सहित उनके दो रिश्तेदारों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि चारों हमलावरों ने आशीष को घेरकर लाठी-डंडों

और लात-घूसों से बुरी तरह पीटा। अचानक हुए इस हमले में आशीष के मुंह पर गंभीर चोटें आईं और वह लहूलुहान हो गया। घटना के दौरान हमलावरों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी और चेतावनी देकर फरार हो गए कि यदि पुलिस में शिकायत की तो अंजाम और भी बुरा होगा।

घटना के बाद घायल को परिजनों ने उपचार दिलाया और अगले दिन 30 अप्रैल को थाना नौगांवा सादात में लिखित शिकायत दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि खुलेआम इस तरह की वारदातें कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गजरौला में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले किसान, कम मुआवजे पर जताई नाराजगी

दैनिक बुलंद मंजिल

अमरोहा। गजरौला स्थित एक होटल में भारतीय किसान यूनियन (बी.आर. अंबेडकर) के कार्यकताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इस दौरान किसानों ने हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के मंगरोला, रुस्तमपुर, गंगाटकोला और दौलतपुर सहित कई गांवों में हो रहे भूमि अधिग्रहण पर गहरी चिंता व्यक्त की। उनका आरोप है कि किसानों की जमीन का अधिग्रहण बेहद कम दरों पर किया जा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

किसान यूनियन की ओर से प्रतिनिधिमंडल ने मांग रखी कि भूमि का उचित मुआवजा निर्धारित किया जाए। साथ ही, प्रभावित प्रत्येक परिवार को एक सरकारी नौकरी देने और किसानों को 10 प्रतिशत आवासीय प्लॉट आवंटित करने की भी मांग की गई। इसके अतिरिक्त संगठन ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय भाटी पर लगे ह्यगुंडा एक्टह्न को हटाने की मांग भी जोरदार तरीके से उठाई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही संबंधित एसडीएम को बुलाकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों के हितों की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी और समस्याओं का जल्द समाधान कराया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. दिग्विजय भाटी, सोनू गुर्जर, रूम सिंह खड़कवंशी, सनी नागर, शुभम नागर, अंकुर नागर, मंथन प्रधान सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। किसानों को उम्मीद है कि जल्द ही उन्हें न्याय मिलेगा।

सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने का आान, बुद्ध जयंती पर हसनपुर में भव्य विचार गोष्ठी

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। गौतम बुद्ध की शिक्षाएं आज भी समाज को दिशा देने में सक्षम हैं। सत्य, अहिंसा और करुणा के उनके सिद्धांत वर्तमान समय में भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने सदियों पहले थे। इन्हीं विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर के एक पैलेस में बुद्ध जयंती के अवसर पर एक भव्य विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद के चेयरमैन राजपाल सैनी ने की, जबकि संचालन अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ, हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने किया। गोष्ठी में वक्ताओं ने भगवान बुद्ध के ह्यबहुजन हिताय, बहुजन सुखायह्न के संदेश को आत्मसात करने पर जोर दिया और कहा कि

शिक्षित व जागरूक समाज ही वास्तविक प्रगति की ओर बढ़ सकता है।

मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि गौतम बुद्ध ने विश्व को शांति और प्रेम का मार्ग दिखाया। उन्होंने लोगों से अपील की कि बुद्ध के सिद्धांतों को केवल सुनने तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। मुख्य वक्ता महिपाल सिंह, विपिन सागर और चंद्रपाल सैनी ने ह्यअप्प दीपो भवह्न के संदेश को जीवन में उतारने पर बल दिया।

इस दौरान सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अन्य वक्ताओं ने भी सामाजिक समरसता और एकता को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। भीषण गर्मी को देखते हुए आगंतुकों के लिए ठंडे शरबत की व्यवस्था की गई तथा प्रसाद स्वरूप कढ़ी-चावल का वितरण किया गया। यह आयोजन सामाजिक जागरूकता और बौद्ध विचारधारा के प्रचार का एक सशक्त माध्यम साबित हुआ। इस मौके पर इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक रामवीर सिंह, विनोद कुमार गौतम, दिनेश गौतम,अध्यक्ष अरविंद अन्ना (पूर्व सभासद), महामंत्री अंकुर सेठी, कोषाध्यक्ष करणवीर सिंह , वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश कुमार, सुरेन्द्र गौतम एडवोकेट, रोबिन त्यागी, अंकुर अग्रवाल,बदन सिंह गौतम, शिखर अग्रवाल,रूपेश वर्धन,लवी सागर, मुकेश जाटव,विजय सिंह गौतम, नवाब सैफी,आरिफ गाजी,रोहतास सिंह, हरीश कुमार, हरकेश सिंह,जंगबहादुर, सोमदत्त शर्मा,विनेश कुमार,जबर सिंह, रूपराम सिंह, दिनेश जाटव,अजीत सिंह,लता सागर प्रधान पीठखेड़ा,रजनी(पूर्व प्रधान) ,राजकुमारी, पूजा चौधरी,प्रीति सैनी और प्रियंका ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

सरेबाजार गुंडई: युवक को घेरकर पीटा, जान से मारने की धमकी, रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला। थाना क्षेत्र के गांव कटाई में मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया, जब बाजार से सामान खरीद रहे एक युवक के साथ गांव के ही कुछ लोगों ने मारपीट कर दी। घटना शनिवार शाम करीब 5:30 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित बासिद पुत्र साजिद के अनुसार, वह गांव के बाजार में खरीदारी कर रहा था, तभी गांव निवासी अलीम पुत्र बदलू और सैफ अली पुत्र असलम वहां पहुंचे और उसे देखकर अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगे। विरोध करने पर दोनों आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी, जिससे उसके नाक और माथे पर चोटें आईं। शोर सुनकर मौके पर तालिब पुत्र शन्नन खां, वसीम पुत्र शन्नन खां समेत कई अन्य लोग भी पहुंच गए। आरोप है कि इन लोगों ने न केवल मारपीट में साथ दिया बल्कि पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद घायल युवक सीधे थाने पहुंचा और लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अल्लीपुर खादर में श्रद्धा के साथ मनाई गई गौतम बुद्ध जयंती

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। तहसील क्षेत्र के गांव अल्लीपुर खादर में गौतम बुद्ध जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। यह कार्यक्रम सपा नेता दिनेश जाटव के आवास पर आयोजित हुआ, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने एकत्र होकर भगवान बुद्ध के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बुजुर्गों, युवाओं, माताओं, बहनों और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा प्रसाद वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर दिनेश जाटव ने कहा कि भगवान बुद्ध का संदेश आज भी मानवता के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि शांति का मार्ग ही बुद्ध का सार है और हमें अपने जीवन में दया, करुणा और सत्य को अपनाना चाहिए। बुद्धं शरणं गच्छामि का भाव अपनाते हुए उन्होंने लोगों से बुराइयों को त्यागकर धम्म की राह पर चलने का आान किया। साथ ही अप्प दीपो भव का संदेश देते हुए आत्मनिर्भरता और आत्मज्ञान पर जोर दिया।

कार्यक्रम में बसपा नेता एवं विधानसभा प्रभारी रणवीर सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अहिंसा ही सच्चा धर्म है और करुणा सबसे बड़ा बल है। उन्होंने मध्यम मार्ग को जीवन का संतुलन बताते हुए सभी से सत्य और शांति का पालन करने का संकल्प लेने की अपील की।

इस दौरान मोहनलाल, रमेश सिंह, ओम प्रकाश सिंह, भानु प्रताप, गब्बर सिंह, प्रिंस जाटव, अयांश जाटव, ऐकांक्ष जाटव, प्रशांत भास्कर जाटव, सुधा, सुमन, कंचन, हंसिका, वंशिका, हिमांशी सहित कई लोग मौजूद रहे।

बाईखेड़ा मिलक में चोरी: घर से 2 लाख का सामान चोरी, जांच में जुटी पुलिस

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव बाईखेड़ा मिलक में गुरुवार की देर रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए करीब दो लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया। घटना से गांव में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पीड़ित हरिओम पुत्र फूल सिंह ने बताया कि गुरुवार रात उनका परिवार घर में सो रहा था। उनका मकान गांव के बाहरी हिस्से में स्थित है और घर पर मेन गेट नहीं है। इसी का फायदा उठाकर मध्य रात्रि के दौरान अज्ञात चोर घर में घुस आए। चोरों ने सबसे पहले सेफ अलमारी का ताला तोड़ा और उसमें रखे 23 हजार रुपये नकद, चांदी का खंडवा, कुल्हा समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। बताया गया कि चोरी के बाद चोर मकान के पिछले हिस्से में नकब लगाने का प्रयास करने लगे। इस दौरान हुई आवाज सुनकर परिवार के लोग जाग गए। शोर मचते ही चोर चोरी का सामान लेकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने करीब दो लाख रुपये के नुकसान की बात कही है। घटना की सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पीड़ित ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही चोरी का खुलासा किया जाएगा।

फोन पर गालियां और जान से मारने की धमकी, पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। नगर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक को मोबाइल फोन पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
मोहल्ला मोहम्मदी सराय निवासी शाहनावाज पुत्र अकील अहमद ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि 29 अप्रैल की रात करीब 8:20 बजे उसके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को सलमान बताया और बातचीत के दौरान उसने अशोभनीय भाषा का प्रयोग करते हुए मां-बहन की गालियां दीं। इतना ही नहीं,

आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे पीड़ित और उसके परिवार में दहशत का माहौल बन गया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी लगातार फोन कर उसे परेशान कर रहा है। इस घटना के बाद उसने तत्काल पुलिस से मदद की गुहार लगाई। मामले को गंभीरता से लेते हुए अमरोहा नगर कोतवाली पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।
पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में 84 वर्षीय वृद्ध की मौत, परिवार में मचा कोहराम

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र में सड़क हादसे ने एक बुजुर्ग की जान ले ली। शुक्रवार को सामने आई इस घटना में 84 वर्षीय भगवान दास शर्मा की कार की टक्कर से मौत हो गई। हादसा गुरुवार देर शाम गांव मंगरौला में उस समय हुआ, जब वह सड़क पार कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम

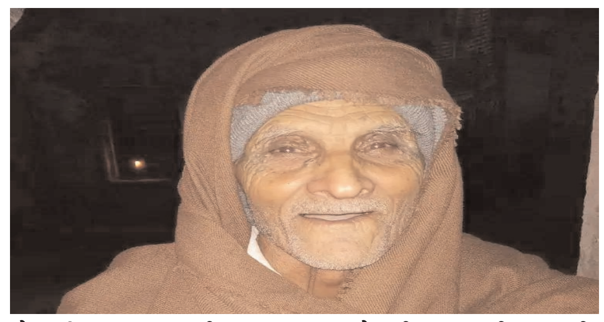

तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाद में शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि दुर्घटना में शामिल कार को जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मृतक अपने पीछे दो पुत्र और दो पुत्रियां छोड़ गए हैं, जो नोएडा में निजी कंपनियों में कार्यरत हैं। इस दुखद घटना से पूरे परिवार में शोक का माहौल है।

खेत पर कब्जे की नीयत से हमला, दी तहरीर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली। थाना क्षेत्र में जमीन विवाद ने एक बार फिर हिंसक रूप ले लिया। गांव डिडौली निवासी नेमपाल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि बृहस्पतिवार को वह अपने खेत पर गए थे, तभी गांव के ही वनरासी, पिंटू, श्याम सिंह उर्फ भोलू और सचिन वहां पहुंच गए। आरोप है कि चारों ने पहले गाली-गलौज शुरू की और विरोध करने पर मारपीट कर दी।
पीड़ित के अनुसार इस हमले में उसे और उसके साथी रतन सिंह को चोटें आईं। इतना ही नहीं, आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। नेमपाल सिंह का कहना है कि आरोपी उनकी जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं और इसी नीयत से दबाव बनाने के लिए हमला किया गया। घटना के बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर पूरी जानकारी देते हुए नामजद तहरीर दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।
थाना डिडौली पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। संबंधित पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

पसीने की कीमत को मिला सम्मान: श्रमिक दिवस पर अमरोहा में योजनाओं की बरसात

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के मौके पर अमरोहा में आयोजित कार्यक्रम में श्रमिकों के सम्मान और कल्याण की झलक देखने को मिली। जहां एक ओर मुख्यमंत्री का लाइव संबोधन सुना गया, वहीं दूसरी ओर 10 श्रमिकों को हितलाभ स्वीकृति पत्र देकर उनके जीवन में राहत की पहल की गई।
अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर जनपद में एक गरिमामयी एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीएल गुप्ता एक्सपोर्ट लिमिटेड, करनपुर मिलक रोड स्थित परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में श्रमिकों के सम्मान और उनके कल्याण से जुड़ी योजनाओं को केंद्र में रखा गया।

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि लखनऊ में आयोजित श्रमवीर गौरव समारोह-2026 का सजीव प्रसारण यहां उपस्थित लोगों को दिखाया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेशभर के श्रमिकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके हित में संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। विशेष रूप से श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा के लिए संचालित अटल आवासीय विद्यालयों की योजना को प्रमुखता से रेखांकित किया गया।
कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़, मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र और अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह की उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक गरिमा प्रदान की। अधिकारियों ने श्रमिकों के बीच पहुंचकर उनके योगदान की सराहना की और उन्हें सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।
जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने अपने संबोधन में कहा कि श्रमिक समाज की रीढ़ हैं और उनके बिना विकास की कल्पना अधूरी है। उन्होंने श्रमिकों से अपील की कि वे पंजीकरण कराकर सरकार की योजनाओं का लाभ अवश्य लें, ताकि उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके।
इस अवसर पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने भी श्रमिकों को विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और उन्हें जागरूक करते हुए कहा कि सरकार श्रमिकों के हितों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान 10 निर्माण श्रमिकों को हितलाभ स्वीकृति पत्र वितरित किए गए, जिससे उनके चेहरों पर संतोष और विश्वास की झलक साफ दिखाई दी। यह पहल श्रमिकों के जीवन में आर्थिक सुरक्षा की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।
समापन पर कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। श्रमिकों और उपस्थित जनसमूह की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को सफल बनाया और यह संदेश दिया कि मेहनतकश वर्ग के सम्मान और उत्थान के लिए प्रशासन पूरी तरह संकल्पित है।

आज डी एम रामपुर संग एस पी फीता काट पत्रकार संगठन के कार्यालय का करेंगे भव्य उद्घाटन

शाहबाद पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन रजिस्टर्ड के लिए गौरवपूर्ण पल

दैनिक बुलंद मंज़िल/ विनोद गुप्ता

रामपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद रामपुर की तहसील शाहबाद में प्रशासन के सहयोग से पत्रकारों के बड़े इंतजार के बाद शनिवार को रामपुर के डी एम अजय कुमार द्विवेदी शाहबाद में पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन रजिस्टर्ड के कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। बता दें कि शाहबाद पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन रजिस्टर्ड के कार्यालय के सौंदर्यकरण का काम पिछले कुछ दिनों से चल रहा था। जिसके उद्घाटन के लिए शनिवार यानी आज रामपुर डी एम अजय कुमार द्विवेदी संग एस पी सोमेंद्र मीणा शाहबाद पहुंचेंगे। दोनों अधिकारियों के करकमलों द्वारा कार्यालय का आज उद्घाटन होगा। आपको यह भी बता दें कि पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के

पदाधिकारियों और सदस्यों ने कड़ी मेहनत कर संगठन के कार्यालय में चार चांद लगाए है। इस कार्यालय में शाहबाद पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन से जुड़े हुए पत्रकार कवरेज करके लाई हुई खबरों को बैठकर तैयार करेंगे और उसे अपने-अपने प्रतिष्ठान को भी भेजकर दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित भी कराएंगे। इस कार्यालय को चमकाने में अध्यक्ष आफताब, महासचिव सिफत मियां, संरक्षक बीपी विद्यार्थी, संस्थापक एहसान खान, कार्यकारी अध्यक्ष आकाश शंकर, कार्यकारी अध्यक्ष राजीव कुमार भटनागर कार्यकारी अध्यक्ष अभिषेक शर्मा,संगठन मंत्री विनोद गुप्ता,वरिष्ठ उपाध्यक शराफत हुसैन, कोषाध्यक्ष मुस्तफा अली,विधिक सलाहकार सुहैल खान ,प्रवक्ता अखिलेश रस्तोगी,मार्गदर्शक शाखावत अली, उपाध्यक्ष जहीर खान,उपाध्यक सुमित कश्यप,कनिष्ठ उपाध्यक शावेज छोटे,संयुक्त सचिव फैजी खान,सचिव तकरीर अहमद,सचिव शान मोहम्मद,प्रचार मंत्री धर्मेन्द्र सागर,महिला विंग अध्यक्ष नेहा गुप्ता,सदस्य अब्यज,इरफान मालिक सदस्य,शावेज खान सदस्य,विकास मुल्तानी सदस्य,तालिब सदस्य,रशीद अल्वी का भी योगदान रहा है

इंटर कॉलेजों के बाहर अतिक्रमण बना खतरा, गुटखा-सिगरेट की बिक्री से बिगड़ रही नई पीढ़ी

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। जनपद के विभिन्न इंटर कॉलेजों जिनमें सीबीगंज इंटर कॉलेज, तिलक इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज केडीएम इंटर कॉलेज आदि के बाहर बढ़ता अतिक्रमण अब एक गंभीर सामाजिक समस्या बनता जा रहा है। स्कूल और कॉलेज परिसरों के बाहर अवैध रूप से लगी दुकानों पर खुलेआम गुटखा, पान, बीड़ी और सिगरेट की बिक्री हो रही है, जिससे छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि इन स्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर पहले से ही प्रतिबंध लागू है, इसके बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिखाई दे रही। स्थानीय लोगों और अभिभावकों का कहना है कि सुबह से लेकर छुट्टी के समय तक इन दुकानों पर छात्रों की भीड़ लगी रहती है। कई छात्र नशे की इन आदतों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य और पढ़ाई दोनों प्रभावित हो रहे हैं। अभिभावकों में इस स्थिति को लेकर गहरी चिंता है, लेकिन उनकी शिकायतों के बावजूद कोई असर नहीं दिख रहा। शिक्षा संस्थानों के आसपास अतिक्रमण की वजह से यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। सड़कें संकरी हो गई हैं और छात्रों के आने-जाने में परेशानी हो रही है। कई बार दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। नियमों के अनुसार, स्कूल और कॉलेज के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आती है। जिम्मेदार विभागों की निष्क्रियता के चलते यह समस्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया जाए और शिक्षा संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाई जाए, ताकि नई पीढ़ी को इस बुराई से बचाया जा सके।

मासूम बच्ची को लगा करंट, मौत घर में मचा कोहराम

दैनिक बुलंद मंज़िल

शाहबाद रामपुर। घटना नगर के मोहल्ला फराशान की है जहां शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई जब चार वर्षीय मासूम बच्ची घर के अंदर खेलते-खेलते बिजली के तारों की चपेट में आ गई। करंट लगने से उस की मौके पर ही मौत हो गई। जिसकी सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया।जानकारी के अनुसार, मोहल्ला

फराशान निवासी विक्रम की पुत्री श्रृष्टि (उम्र लगभग 4 वर्ष) घर में खेल रही थी। इसी दौरान बालिका का हाथ बिजली के एक नंगे तार से लग गया। तार में करंट दौड़ रहा था, जिसके कारण श्रृष्टि को जोरदार झटका लगा और वह वहीं गिर पड़ी।आसपास मौजूद लोगों और परिजनों ने जब बच्ची की हालत देखी तो उसे तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। चिकित्सकों ने बालिका को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुँची और मामले की जाँच शुरू शुरू की।

देश भर के मंदिरो सिद्धपीठो में मनोना धाम रोज एम्बुलेंस आदि से आते हैं श्रद्धालु भक्त मनौना धाम

यू पी सरकार ने किया मनौना धाम को पर्यटन स्थल घोषित भक्तों में भारी हर्ष

दैनिक बुलंद मंज़िल/विनोद गुप्ता

रामपुर । उत्तर प्रदेश में अपनी अलग ही पहचान रखने वाला भक्ति आस्था तथा मनोकामना के लिए तो विश्व मे बहुत वडे वडे मंदिर सिद्धपीठ है लेकिन श्री श्याम मंदिर मनौना धाम जीवन धाम मे हर समय भक्तो का सैलाव रहता है तपती गर्मी सर्दी वरषात भक्तो की आस्था को भी नही डिगा रही है जहा गेट वंद होने पर भक्त 12 घंटे पहले लाइनो मे बैठ जाते है तथा अपने वाबा श्याम के दर्शन करने तथा महंत श्री श्री ओमेन्द्र महाराज से आशीर्वाद लेने के लिए इंतजार करते है मनौना धाम विश्व का ऐसा धाम है जहा एम्बूलेंस से गाड़ियों से तथा अन्य वहानो से सबसे ज्यादा मरीज आते है और महंत जी महाराज से श्याम जल अभिमंत्रित कराके आशीर्वाद लेते है तथा चेहरे पर खुशी लेकर जाते है महंत जी महाराज कहते है कि जो श्याम भक्त वाबा के दरवार आस्था भक्ति

विश्वास के साथ आता है उसकी मनोकामना जरूर पूर्ण होती है वाबा के दरवार से कोई खाली हाथ नही जाता है जो हार जाते है प्रभू श्याम उनका सहारा बनते है 19 अप्रैल को महंत जी महाराज का मुम्बई के बोरीवली मे आरोग्य यात्रा कार्यक्रम था जिसमे कार्यक्रम स्थल पर हजारो भक्त घंटो पहले महंत जी महाराज का आशीर्वाद लेने पहुच गये थे लेकिन उससे तीन गुना ज्यादा श्याम भक्तो वाहर वने पंडाल मे तथा कार्यक्रम स्थल के गेट के वाहर लाइन लगाए तप्ती गर्मी मे खडे अपनी वारी का इंतजार कर रहे थे मुम्बई मे श्याम भक्तो महंत जी महाराज के प्रति ऐसी दिवानगी थी कि एक झलक पाने को वेताव दिखे । देश विदेश मे सवसे ज्यादा मनौना धाम श्याम भक्तो की आस्था का केन्द्र वना हुआ है ।मनौना धाम को योगी सरकार की सौगात मिली है 10 करोड रूप की लागत से मनौना धाम को पर्यटन स्थल के रूप मे विकसित किया जायेगा क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी वरेली कार्य योजना वनाकर सरकार को भेज रहे है मंजूरी के वाद काम शुरू हो जायेगा पर्यटन स्थल बनने पर श्याम भक्त आधुनिक यात्री शैड भव्य प्रवेश द्वार विशाल पार्किंग स्थल सामुदायिक हाल आधुनिक शौचालय स्वच्छ पेयजल व्यवस्था ठहरने के लिए आधुनिक धर्मशालाओं आदि सुविधाओं का लाभ उठाएगे ।
मनौना धाम व्यवस्थापक एड श्यामेंन्द्र चौहान ने योगी सरकार को मनौना धाम पर्यटन स्थल घोषित कर विकसित करने के लिए आभार व्यक्त किया है सूत्रो के अनुसार योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार का कभी भी औचक निरीक्षण कर वाबा श्याम के दरवार मे दर्शन हेतू आगमन हो सकता है।

धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने और अभद्र व्यवहार का आरोप, पुलिस को दी तहरीर

दैनिक बुलंद मंज़िल / संवाददाता रामौतार शर्मा

सम्भल/थाना धनारी क्षेत्र के ग्राम रुस्तमपुर पीपलवाड़ा में एक युवक द्वारा धार्मिक भावनाओं को आहत करने व अपमानजनक टिप्पणी करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित पक्ष ने आरोपी के विरुद्ध पुलिस को लिखित शिकायत देकर उचित कानूनी कार्यवाही की मांग की है।?कथा करने जा रहे पुजारी को रोका ?ग्राम रुस्तमपुर पीपलवाड़ा निवासी संदीप शर्मा पुत्र राजाराम शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह पेशे से पुजारी हैं। शुक्रवार की सुबह करीब दस बजे वे अपने गांव से पास के गांव श्यामपुर में एक जजमान के यहाँ कथा करने जा रहे थे। पीड़ित का आरोप है कि रास्ते में ही गांव के ही एक युवक इसरार पुत्र शहजादे ने उन्हें जबरन रोक लिया और बिना किसी कारण अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया।?देवी-

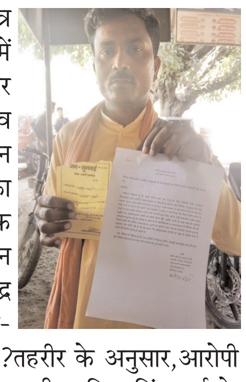

देवताओं पर अभद्र टिप्पणी का आरोप ?तहरीर के अनुसार,आरोपी ने न केवल पीड़ित के साथ गाली-गलौज की, बल्कि हिंदू धर्म के देवी-देवताओं के प्रति भी अत्यंत अश्लील व अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी ने गांव में स्थापित भगवान परशुराम जी की प्रतिमा के संबंध में भीआपत्तिजनक टिप्पणियां कीं, जिससे प्रार्थी की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। ?गांव में तनाव की स्थिति
?पीड़ित संदीप शर्मा ने बताया कि उक्त व्यक्ति पहले भी इस तरह की अपमानजनक हरकतें कर चुका है, जिससे गांव का सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने और तनाव पैदा होने की आशंका बनी रहती है। पीड़ित ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हरियाणा में हादसा, गांव में मातम: डेढ़ माह बाद सोशल मीडिया से खुली मजदूर की मौत की गुत्थी

दैनिक बुलंद मंज़िल

ढवारसी। घर की गरीबी दूर करने और बच्चों का भविष्य संवारने निकला एक मजदूर आखिरकार सड़क हादसे का शिकार हो गया। दर्दनाक यह कि उसकी पहचान डेढ़ महीने बाद सोशल मीडिया के जरिए हो सकी। थाना आदमपुर क्षेत्र के गांव गारबपुर उर्फ रुस्तमपुर निवासी सुभाष (पुत्र रामफूल सिंह) हरियाणा मजदूरी करने गया था, लेकिन फिर कभी घर नहीं लौट सका।

परिजनों के मुताबिक, सुभाष के घर से निकलने के कुछ समय बाद ही उसका संपर्क टूट गया था। इसी बीच 14 मार्च 2026 को हरियाणा के झज्जर जिले के आसोदा थाना क्षेत्र में एक अज्ञात युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पहचान न होने के कारण पुलिस ने काफी प्रयासों के बावजूद जब कोई सुराग नहीं मिला, तो कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव का लावारिस में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

मामले में मोड़ तब आया जब सोशल मीडिया पर मृतक की फोटो वायरल हुई। गांव के एक युवक ने सतर्कता दिखाते हुए तस्वीर और जानकारी का मिलान सुभाष से किया और पुलिस से संपर्क किया। कड़ी जोड़ने पर पुष्टि हुई कि मृतक सुभाष ही था।

जैसे ही यह खबर गांव पहुंची, परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। सुभाष अपने पीछे पत्नी और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया है। परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य खोने से भविष्य अंधकारमय हो गया है। गांव में शोक की लहर है और लोग पीड़ित परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं।

मृतक का फाइल फोटो

40 दिन से घर के गेट पर खड़ा ट्रांसफॉर्मर, वादे हवा—खतरे के साए में गुजर रही ज़िंदगी

बुलन्द मंज़िल आसिम खान

मुरादाबाद। दीवान का बाजार इलाके में बिजली विभाग की लापरवाही अब लोगों की जान पर भारी पड़ती दिख रही है। एक घर के मुख्य गेट के ठीक सामने रखा ट्रांसफॉर्मर पिछले 40 दिनों से अधिक समय से वहीं खड़ा है, जिससे परिवार और आसपास के लोग लगातार खतरे के बीच जीने को मजबूर हैं स्थानीय निवासी अब्दुल सऊद के अनुसार, विभागीय अधिकारियों ने शुरूआत में आश्वासन दिया था कि यह ट्रांसफॉर्मर सिर्फ एक हफ्ते के लिए अस्थायी रूप से रखा गया है और जल्द ही इसे हटाकर सुरक्षित स्थान पर नया

ट्रांसफॉर्मर स्थापित कर दिया जाएगा। लेकिन एक हफ्ते का वादा अब 40 दिन से ज्यादा में बदल चुका है मामले को लेकर कई बार 1912 हेल्पलाइन, जनसुनवाई (IGRS) पोर्टल पर शिकायतें दर्ज कराई गईं और स्थानीय मीडिया में भी खबरें प्रकाशित हुईं, इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत की स्थिति अभी तक ‘लंबित’ ही बनी हुई है, जिससे अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह ट्रांसफॉर्मर घर के गेट से सटा हुआ है, जिससे करंट लगने, शॉर्ट सर्किट या आग लगने का खतरा हर समय बना रहता है। इतना ही नहीं, संकरी गली में आने-जाने वाले राहगीरों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि इसी रास्ते से स्कूल जाने वाले बच्चे रोज गुजरते हैं, जिनके लिए यह ट्रांसफॉर्मर किसी ‘खतरे की घंटी’ से कम नहीं है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि इस गंभीर समस्या का तत्काल समाधान किया जाए और ट्रांसफॉर्मर को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए, ताकि किसी बड़ी अनहोनी से पहले हालात संभाले जा सकें।

लिटिल एंजेलियंस स्कूल में स्पोकन इंग्लिश वर्कशॉप का समापन, छात्रों को दिए गए व्यक्तित्व विकास के टिप्स

बुलन्द मंज़िल आसिम खान

मुरादाबाद। शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान लिटिल एंजेलियंस पब्लिक स्कूल, कानून गोयान में आयोजित 30 दिवसीय स्पोकन इंग्लिश वर्कशॉप का सफल समापन हुआ। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय इंग्लिश कोच सैयद आजम इकबाल ने विद्यार्थियों को स्पोकन इंग्लिश और पर्सनालिटी डेवलपमेंट से जुड़े महत्वपूर्ण टिप्स दिए कार्यक्रम में विद्यालय के संस्थापक एवं प्रबंधक मुसर्रत हफीज एडवोकेट, स्कूल स्टाफ तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रबंधक श्री हफीज ने जीवन में अंग्रेजी बोलचाल और

कम्युनिकेशन स्किल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के दौर में बेहतर संवाद क्षमता सफलता की कुंजी है इंग्लिश कोच सैयद आजम इकबाल ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार अंग्रेजी भाषा पर पकड़ बनाकर देश-विदेश में नए अवसर प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने छात्रों को आत्मविश्वास के साथ मंच पर बोलने और निरंतर अभ्यास करने की सलाह दी कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जिसे देखकर अभिभावक बेहद उत्साहित नजर आए। उन्होंने विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे बच्चों के भविष्य के लिए उपयोगी बताया समापन अवसर पर प्रबंधक श्री मुसर्रत हफीज ने सैयद आजम इकबाल को स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुमारी समरीन जावेद, श्रीमती समन नकवी, श्रीमती तूबा हसनैन, रेहाना फरहत, रुचि रस्तोगी, रिमशा परवीन, नायब जहाँ, मोहम्मद फाजिल सहित विद्यालय स्टाफ व अभिभावकगण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

एन.एस.ओ. ने शहर के प्रतिष्ठित डॉक्टरों का किया सम्मान

बुलन्द मंज़िल आसिम खान

मुरादाबाद नेशनल सोशल ऑर्गनाइजेशन (एन.एस.ओ.) द्वारा शहर के प्रतिष्ठित डॉक्टरों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संगठन के प्रधान कार्यालय, गुजराती स्ट्रीट स्थित व्हाइट हाउस में किया गया, जहां बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे इस अवसर पर शहर के जाने-माने डॉक्टरों का स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में डॉ. मोहम्मद रियाज, डॉ. असमत अली, डॉ. मोहम्मद फैजान, डॉ. आमिर पाशा एवं डॉ. सक्षम श्रीवास्तव प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी डॉक्टरों को संगठन के

सदस्यों द्वारा उपहार भेंट कर सम्मानित किया

गया कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिर्जा अरशद बेग ने कहा कि डॉक्टरों का व्यवसाय मानवता की सेवा का सर्वोत्तम माध्यम है और ये सभी चिकित्सक अपने कार्यों के जरिए समाज में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने एन.एस.ओ. की सेवाओं की सराहना करते हुए संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की इस दौरान हाजी मुनव्वर हुसैन, मोहम्मद रिजवान, तौसीफ हुसैन, आरिफ इकबाल, सय्यद जॉन अली, नोमान मिर्जा, जुनैद इकबाल व मिर्जा हसन बेग सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन आपसी सौहार्द और सम्मान के माहौल में हुआ।

पाकबड़ा में सुधरी बिजली व्यवस्था, क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

पाकबड़ा (मुरादाबाद)। नगर पंचायत पाकबड़ा में इन दिनों बिजली व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है। लगातार सुचारु रूप से हो रही बिजली आपूर्ति से क्षेत्र में खुशी और संतोष का माहौल बना हुआ है। लंबे समय से बिजली कटौती और अनियमित आपूर्ति की समस्या से जूझ रहे लोगों को अब काफी राहत मिली है स्थानीय निवासियों का कहना है कि अब बिजली सप्लाई पहले की तुलना में काफी बेहतर हो गई है। बार-बार

होने वाली कटौती में कमी आई है, जिससे दैनिक जीवन और व्यवसाय दोनों में सुविधा हो रही है। लोगों के अनुसार, यह बदलाव क्षेत्र के लिए बड़ी राहत लेकर आया है इस सुधार के पीछे पाकबड़ा बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर टी.एन. भास्कर की अहम भूमिका मानी जा रही है। उन्होंने अपनी टीम के साथ दिन-रात मेहनत कर बिजली व्यवस्था को दुरुस्त किया है। क्षेत्रवासी उनके कार्य की सराहना करते हुए उन्हें कर्तव्यनिष्ठ और जिम्मेदार अधिकारी बता रहे हैं वहीं युवा समाजसेवी बसीम अंसारी ने भी बिजली व्यवस्था में हुए इस सुधार पर खुशी जताई है। उन्होंने बिजली विभाग की प्रशंसा करते हुए कहा कि जेई टी.एन. भास्कर और उनकी टीम की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि आज पाकबड़ा में बिजली व्यवस्था बेहतर हो पाई है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से जनता का भरोसा सरकारी तंत्र पर और मजबूत होता है क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी इसी तरह बिजली आपूर्ति सुचारु बनी रहेगी और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

ग्राम चौपाल में गूंजे ग्रामीणों के मुद्दे, मौके पर समाधान के निर्देश

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र के मुंडापांडे विकास खंड के ग्राम भदासना व भायपुर तथा विकासखंड कुंदरकी के ग्राम जटपुरा में शासन की पहल पर ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका त्वरित समाधान करना और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना रहा कार्यक्रम का शुभारंभ कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। चौपाल में मुख्य रूप से वृद्धावस्था पेंशन, फॉर्मर रजिस्ट्री, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन

कार्ड, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, विद्युत आपूर्ति व स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें सामने आईं विधायक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ पारदर्शी, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता गांव, गरीब, किसान, महिला, वृद्ध और दिव्यांग तक योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंचाना है। ग्राम चौपाल जैसे कार्यक्रम प्रशासन और जनता के बीच सेतु का कार्य करते हैं, जिससे समस्याओं का समाधान गांव स्तर पर ही संभव हो पाता है उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि प्राप्त सभी प्रकरणों का तत्काल परीक्षण कर निर्धारित समयसीमा में निस्तारण किया जाए और कार्रवाई की प्रगति रिपोर्ट उनके कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए, ताकि निरंतर निगरानी सुनिश्चित हो सके चौपाल में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां संबंधित अधिकारी मौजूद रहे और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया। ग्रामीणों ने अपनी बात सीधे प्रशासन तक पहुंचाने पर संतोष जताते हुए इस पहल की सराहना की यह आयोजन ग्रामीण विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास’ और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुशासन नीति के अनुरूप है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर मुरादाबाद में श्रमवीर गौरव समारोह का आयोजन, श्रमिकों व छात्रों को किया गया सम्मानित

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मुरादाबाद के लाकड़ी फाजलपुर स्थित फर्म मेसर्स डिजाइनको के सभागार में श्रमवीर गौरव समारोह–2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के माध्यम से किया गया मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को श्रमिक दिवस की बधाई देते हुए श्रमिकों के कल्याण हेतु चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों के लिए संचालित अटल आवासीय विद्यालयों का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 2023 से संचालित इन विद्यालयों के छात्र उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान अटल आवासीय विद्यालय, मुरादाबाद के कक्षा-10 के छात्र उदय प्रताप सिंह को प्रदेश में टॉप-05 स्थान प्राप्त करने पर प्रमाण पत्र व टैबलेट देकर सम्मानित किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री ने बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं भी दीं कार्यक्रम में उद्योग जगत, श्रम विभाग एवं विभिन्न संगठनों के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। फर्म डिजाइनको के एमडी विनोद गुप्ता, अनमोल जी, यंग एंटरप्रेन्योर सोसायटी के चेयरमेन जेपी सिंह, मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्ट एसोसिएशन के महासचिव अवधेश अग्रवाल, संरक्षक नजमुल रहमान, सेवायोजक गगन दुग्गल सहित भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधि अरुण गौड़ एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे कार्यक्रम के दौरान श्रम विभाग के अधिकारियों द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं श्रम कानूनों की विस्तृत जानकारी दी गई। उप श्रम आयुक्त दीप्तिमान भट्ट ने अपने संबोधन में श्रमिक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रमिकों और सेवायोजकों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने नवीन श्रम संहिताओं एवं श्रमिक हितों से जुड़ी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी इस अवसर पर श्रम कल्याण परिषद एवं निर्माण श्रमिकों की विभिन्न योजनाओं–कन्या विवाह, शिशु हितलाभ एवं मृत्यु दिव्यांगता योजना–से लाभान्वित श्रमिकों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही अटल आवासीय विद्यालय, मुरादाबाद के 10 मेधावी छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम के अंत में उप श्रम आयुक्त दीप्तिमान भट्ट ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं दीं। श्रम विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

सरेआम बदसलूकी का आरोपी 24 घंटे में मुठभेड़ में गिरफ्तार

एक्शन का रिएक्शन नीति की दिखी सख्त झलक, पैर में गोली लगने के बाद दबोचा गया आरोपी

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद शहर में महिला के साथ सरेआम बदसलूकी करने वाले आरोपी को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस हरकत में आई और तेज कार्रवाई करते हुए आरोपी को धर दबोचा। इस कार्रवाई को प्रदेश की सख्त कानून-व्यवस्था और एक्शन का रिएक्शन नीति के तहत बड़ी सफलता माना जा रहा है CCTV में कैद हुई शर्मनाक हरकत मामला मुगलपुरा थाना क्षेत्र के बरवालान इलाके का है, जहां दिनदहाड़े एक महिला के साथ बदसलूकी की घटना सामने आई। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में देखा गया कि एक

महिला से शर्मनाक हरकत करने वाला आरोपी पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

युवक गली से गुजर रही महिला के पास पहुंचकर गलत हरकत करता है। महिला के विरोध करने पर आरोपी मौके से फरार हो गया सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, पुलिस ने तुरंत लिया संज्ञान घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। जांच में आरोपी की पहचान नौशाद निवासी मकबरा काटघर के रूप में हुई। पुलिस टीम ने लगातार दबिश देकर उसकी लोकेशन ट्रैक की रामगंगा किनारे मुठभेड़, पैर में लगी गोली पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी रामगंगा नदी के पास छिपा हुआ है। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने घेराबंदी की। खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा अस्पताल में भर्ती, जुर्म कबूल घायल आरोपी को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है पुलिस का बयान एसपी सिटी रणवीर सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर तत्काल टीम गठित कर कार्रवाई की गई। आरोपी को पकड़ने के दौरान उसने फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी का इलाज जारी है और विधिक कार्रवाई की जा रही है इस पूरी कार्रवाई से साफ है कि मुरादाबाद पुलिस अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और अपराधियों को त्वरित कार्रवाई के जरिए सख्त संदेश दिया जा रहा है।

बुद्ध पूर्णिमा पर रामगंगा घाट पर उमड़ा आस्था का जन-सैलाब, हर हर गंगे के जयघोष के बीच गंदगी ने बढ़ाई चिंता

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर बरेली के रामगंगा घाट पर श्रद्धालुओं का अद्भुत समागम देखने को मिला। सुबह से ही हजारों की संख्या में लोग घाटों पर पहुंचने लगे और हर हर गंगे के उद्घोष के साथ आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इस दौरान घाटों पर धार्मिक वातावरण चरम पर रहा। जगह-जगह भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना और दान-पुण्य का दौर चलता रहा। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं सभी ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ इस पर्व में भाग लिया। कई श्रद्धालु दूर-दराज के इलाकों से भी यहां पहुंचे, जिससे घाटों पर मेले जैसा दृश्य नजर आया। हालांकि, इस दौरान घाटों पर गंदगी का अंबार भी एक बड़ी समस्या बनकर सामने आया। श्रद्धालुओं द्वारा पूजन सामग्री, फूल-मालाएं, प्लास्टिक और अन्य कचरा घाट किनारे ही छोड़ दिया गया, जिससे साफ-सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए। कई स्थानों पर कूड़े के ढेर लगे नजर आए, जो प्रशासनिक व्यवस्थाओं की कमी को दर्शाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बड़े धार्मिक आयोजनों पर भारी भीड़ उमड़ती है, लेकिन सफाई के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाते। इससे न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है, बल्कि श्रद्धालुओं को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। प्रशासन की ओर से सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस बल तैनात किया गया था, लेकिन सफाई व्यवस्था उतनी प्रभावी नहीं दिखी। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे आयोजनों में जन जागरूकता के साथ-साथ ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था भी जरूरी है, ताकि आस्था और स्वच्छता दोनों का संतुलन बना रहे। बुद्ध पूर्णिमा पर रामगंगा घाट पर उमड़ी आस्था ने जहां धार्मिक एकता और श्रद्धा का परिचय दिया, वहीं गंदगी की समस्या ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि भविष्य में ऐसे आयोजनों के लिए बेहतर प्रबंधन और जागरूकता की सख्त जरूरत है।

वॉलीबॉल टूनार्मेंट में नवादा का जलवा, खारी को हराकर जीता खिताब

दैनिक बुलंद मंज़िल/ सलीम हैदर

बरुकी। ग्राम शादीपुर में आयोजित जिला स्तरीय द्वितीय वॉलीबॉल टूनार्मेंट का समापन रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ, जिसमें नवादा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खारी की टीम को 2-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। टूनार्मेंट में कुल 20 टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबला नवादा और खारी के बीच खेला गया, जहां दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। हालांकि अंत में नवादा की टीम ने बाजी मारते हुए जीत हासिल की। विजेता टीम को देवेंद्र मलिक ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। वहीं अक्कू को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द टूनार्मेंट घोषित किया गया। नवादा टीम के कप्तान आदित्य को भी शानदार खेल के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

टूनार्मेंट के सफल आयोजन में कमेटी के सदस्य विपिन मौर्य, महिपाल सिंह, आशीष गुप्ता, नीरज कुमार, कुलदीप, रौनक, आशु और आयुष मौर्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

दैनिक बुलंद मंज़िल/ मौहम्मद फैजान

बिजनौर / बुढ़नपुर। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर मैसर्स उत्तर शुगर मिल बरकातपुर बिजनौर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गोरखपुर से लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों एवं श्रमिकों को श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं दीं। तथा श्रमिक कल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा हेतु संचालित अटल आवासीय विद्यालयों की जानकारी दी गई। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी महोदय बिजनौर के कुशल निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सहायक श्रमायुक्त बिजनौर कृष्ण कुमार गुप्ता द्वारा श्रम कानूनों एवं अजया नन्द त्रिपाठी द्वारा श्रमिकों के अधिकारों के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रीती सोम द्वारा श्रमिकों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत मोहित पेपर मिल्स नगीना रोड बिजनौर में भी गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें श्रमिकों एवं सेवायोजकों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल दिया गया। इसके अतिरिक्त मै0 शाकुंबरी ऑटो मोबाइल्स प्रा. लि., बैराज रोड, बिजनौर में भी नैंसी धुन्ना, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में भी गोष्ठी आयोजित किया गया। जिसमें श्रमिकों को श्रम विभाग की योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर लाभार्थी श्रमिकों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रम विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किया गया। अंत में सहायक श्रमायुक्त बिजनौर कृष्ण कुमार गुप्ता द्वारा सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

स्योहारा में फैमिली क्लिनिक का शुभारंभ, क्षेत्रवासियों को मिलेगी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधा

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

स्योहारा (बिजनौर): नगर के मोहल्ला शेखान में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं को समर्पित फैमिली क्लिनिक का भव्य उद्घाटन किया गया। इस क्लिनिक के शुरू होने से अब स्थानीय लोगों को अपने ही क्षेत्र में प्राथमिक उपचार और विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा आसानी से उपलब्ध हो सकेगी।

प्रमुख अतिथियों ने किया उद्घाटन

क्लिनिक का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी रईस मालदार, बसपा नेता इफ्तिखार चौधरी एवं शाहिद मुंशी द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।

इस अवसर पर अतिथियों का फूल-मालाओं व बुके देकर स्वागत किया गया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए समाजसेवी रईस मालदार ने कहा कि स्योहारा जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने क्लिनिक के संचालक डॉ. इकरा सिद्दीकी और डॉ. शोएब जैदी को इस सराहनीय पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह केंद्र विशेष रूप से गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

फैमिली क्लिनिक में अनुभवी डॉक्टरों द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिनमें

सामान्य बीमारियों का उपचार प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल आदि सभी बीमारियों का इलाज किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और स्थानीय निवासियों की अच्छी-खासी भीड़ रही। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अब उन्हें छोटे-मोटे इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी।

भीषण गर्मी को लेकर गोशालाओं की व्यवस्थाओं पर डीएम के सख्त निर्देश, अवैध कब्जों पर चलेगा अभियान

दैनिक बुलंद मंज़िल/ उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में गोशालाओं के सुव्यवस्थित संचालन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भीषण गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी ने सभी गोशालाओं में प्रतिदिन सुबह-शाम पानी का छिड़काव कराने तथा सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर उन्हें क्रियाशील रखने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी धामपुर सुमित मिश्रा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. लोकेश कुमार अग्रवाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जिन गोशालाओं में अतिरिक्त शेड की आवश्यकता है, उनके निर्माण प्रस्ताव प्राथमिकता के आधार पर भेजे जाएं। साथ ही प्रत्येक पशु की अनिवार्य रूप से टैगिंग कराने पर भी जोर दिया गया।

विशेष अभियान चलाने के निर्देश

जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को अस्थायी गोशाला/गो आश्रय स्थलों की आवश्यकता वाले स्थानों के प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए, ताकि निर्माण कार्य शीघ्र सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि कोई पशु बीमार होता है तो उसके उपचार के लिए गोशाला के अन्य भाग में अतिरिक्त व्यवस्था की जाए। उन्होंने सभी गोशालाओं में पर्याप्त भूसा उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि कमी होने पर बड़े किसानों से समन्वय कर भूसा दान योजना के तहत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही हरे चारे की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने पर भी जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को गोशालाओं की भूमि पर हुए अवैध कब्जों को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जहां भी गोशाला भूमि पर अवैध कब्जा पाया जाएगा, उसे तत्काल कब्जा मुक्त कराया जाएगा।

स्योहारा की बेटी नशरा सुआलेह ने रचा इतिहास, पीएचडी में प्रथम रैंक की हासिल

दैनिक बुलंद मंज़िल/ मौहम्मद फैजान

स्योहारा। नगर की होनहार बेटी नशरा सुआलेह ने कड़ी मेहनत और लगन के बल पर एक बार फिर यह साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प के साथ हर मंजिल हासिल की जा सकती है। उन्होंने फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी (ढँऊ) की परीक्षा में प्रथम रैंक प्राप्त कर अपने स्वर्गीय पिता डॉ. सुआलेह अहमद का सपना साकार किया और पूरे क्षेत्र का नाम गर्व से ऊंचा कर दिया। नशरा सुआलेह ने यह उल्लेखनीय सफलता अक्क्न्टर रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित परीक्षा में हासिल की। इससे पहले वे अक्क्न्टर दिल्ली में दो वर्षों तक कार्य कर चुकी हैं, जहां उन्होंने अपने अनुभव और ज्ञान को और सशक्त बनाया। अपनी इस उपलब्धि का श्रेय उन्होंने अपने मार्गदर्शकों–डॉ. संजीव लालवाणी, डॉ. पीयूष सांधी और डॉ. वंशिका–को दिया, जिनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। नशरा अपने परिवार की सबसे बड़ी संतान हैं। उनकी छोटी बहन मदीहा सुआलेह टइइर की पढ़ाई कर रही हैं, जबकि सबसे छोटी बहन उमरा सुआलेह उइरए की छात्रा हैं। पूरे परिवार में इस उपलब्धि को लेकर गर्व और खुशी का माहौल है। गौरतलब है कि नशरा सुआलेह के स्वर्गीय पिता डॉ. सुआलहे उर्फ शब्बू एक वरिष्ठ पत्रकार भी थे। वे अपनी ईमानदारी, सादगी और नेकदिल स्वभाव के लिए क्षेत्र में विशेष पहचान रखते थे। उनके आदर्शों और संस्कारों ने ही नशरा को जीवन में आगे बढ़ने और सफलता हासिल करने की प्रेरणा दी। नशरा की इस शानदार उपलब्धि पर स्योहारा सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। मोहल्ले वासियों और शुभचिंतकों ने उनके घर पहुंचकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नशरा सुआलेह की यह सफलता न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है।

मुरादाबाद मंडल में व्यापारी एकता परिषद को मिला नया नेतृत्व, मो. कासिफ बने मंडल प्रभारी

दैनिक बुलंद मंज़िल / मौहम्मद फैजान

बिजनौर। व्यापारी एकता परिषद के सदस्यता अभियान को गति देते हुए संगठन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। वरिष्ठ व्यापारी नेता मो. कासिफ को मुरादाबाद मंडल का मंडल प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके नेतृत्व से संगठन के विस्तार और मजबूती को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

यह नियुक्ति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राहुल वर्मा की उपस्थिति में आयोजित एक बैठक में की गई, जो विदुर कुटी, बुखारा रोड पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नईम अहमद अंसारी ने की, जबकि संचालन जिला मंत्री राजीव कुमार और नगर महामंत्री आशीष गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया।

बैठक के दौरान आगामी 9 मई को आयोजित होने वाले व्यापारी सम्मेलन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने सुझाव और विचार साझा किए।

प्रदेश अध्यक्ष राहुल वर्मा ने बताया कि मो. कासिफ पूर्व में भी संगठन के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहकर अपनी कार्यकुशलता का परिचय दे चुके हैं। उनकी सक्रिय कार्यशैली और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि कासिफ के नेतृत्व में मुरादाबाद मंडल में संगठन का दायरा और अधिक व्यापक होगा। मो. कासिफ वर्तमान में ब्रदर्स बिज कंस्ट्रक्शन (ए क्लास गवर्नमेंट कांट्रेक्टर) और फारूकी बिल्डिंग मैटेरियल प्रतिष्ठान के स्वामी हैं। बैठक में प्रमुख रूप से नईम अहमद, राजीव कुमार, मो. आबिद, आशीष गुप्ता, सचिन कुमार सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

जोया परवीन ने दिनी मकतब मे प्रथम स्थान हासिल किया

दैनिक बुलंद मंजिल ब्यूरो चीफ बिजनौर

बिजनौर /नगीना। सालाना दीनी जलसे की पुरनूर महफि ल में उस वक़्त खुशी की लहर दौड़ गई जब मक्तब के नतीजों का एलान स्टेज से किया गया खालिद अंसारी की साहिबजादी नौनिहाला जोया परवीन ने अव्वल मकाम हासिल कर मक्तब और वालिदैन का नाम रौशन कर दिया। जोया परवीन की इस शानदार कामयाबी पर उलेमा-ए-किराम ने दिल खोल कर तहसीन पेश की और उसे बेहतरीन मिसाल करार दिया। महफि ल में जोया परवीन को स्टेज पर बुलाया गया, जहां उन्हें इज्जत-ओ-इकराम के साथ सरफराज किया गया। उलेमा-ए-किराम ने जोया परवीन की जेहानत, मेहनत और लगन को सराहते हुए दुआओं से नवाजा और उसके रौशन मुस्तकबिल के लिए नेक तमन्नाओं का इजहार किया। इस मौके पर यह भी तौसीफ की गई कि ऐसी कामयाबियां नई नस्ल के लिए राहनुमाई का जरिया बनती हैं और मुआशरे में इल्म-ओ-अदब को फरोग देती हैं।

37 पव्वे देशी शराब के साथ महिला गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंजिल /यासिर शम्सी

नगीना। अवैध शराब की बिक्री पर रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को एक महिला को 37 पव्वे देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। आबकारी निरीक्षक देवेश कुमार सोती के नेतृत्व में टीम ने मलकपुर सहसू गांव में छापेमारी की।कार्रवाई के दौरान रिंकी पत्नी सूरज को 37 पव्वे सुनामी देशी शराब समेत गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना उपनिरीक्षक प्रशान्त कुमार को सौंपी गई है।कार्रवाई में उपनिरीक्षक जोगेन्द्र बैसला,हेड कांस्टेबल योगेश कुमार, कांस्टेबल अभिषेक,विपुल कुमार तथा महिला कांस्टेबल मोनिका शामिल रहीं।

निष्ठा गुप्ता ने राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में जीता रजत पदक, जनपद का बढ़ाया मान

दैनिक बुलंद मंज़िल सलीम हैदर

बरुकी/बिजनौर। ग्राम शादीपुर निवासी निष्ठा गुप्ता ने तीरंदाजी की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर जनपद का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। दिल्ली स्थित यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित फाइनल वूमेन नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में निष्ठा गुप्ता ने सब-जूनियर कंपाउंड वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में देशभर से नेशनल रैंकिंग के आधार पर चयनित शीर्ष 16 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

निष्ठा ने अपने उत्कृष्ट खेल के दम पर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला महाराष्ट्र की खिलाड़ी से हुआ। कड़े मुकाबले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने रजत पदक हासिल कर बड़ी उपलब्धि दर्ज की। उपविजेता बनने के साथ ही निष्ठा गुप्ता को 50 हजार रुपये की इनामी धनराशि भी प्रदान की गई। निष्ठा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच योगेंद्र सिंह राणा को दिया। निष्ठा की इस सफलता पर क्षेत्रवासियों ने खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

प्रेमी की हत्या में महिला गिरफ्तार, तमंचा बरामद

दैनिक बुलंद मंजिल/ यासिर शम्सी।

नगीना देहात। ग्राम जुलाहापुरा के जंगल में युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है।

बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे जुलाहापुरा के जंगल में एक युवक का शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी।शव की पहचान अनुज पुत्र विनय निवासी ग्राम जुलाहापुरा के रूप में हुई थी।युवक के दाहिने कान के पास गोली लगने का निशान मिला था।इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी।जांच के दौरान पुलिस ने शोभा पत्नी सतेन्द्र निवासी ग्राम भनेड़ा थाना किरतपुर को गिरफ्तार किया।पूछताछ में महिला ने बताया कि पति से अलग रहने के बाद वर्ष 2024 में उसकी जान पहचान अनुज से हुई थी और दोनों साथ रहने लगे थे।महिला का आरोप है कि अनुज उसके साथ मारपीट करता था, आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी देता था और पैसे मांगता था।उसने यह भी आरोप लगाया कि अनुज उसकी बेटी पर भी गलत नजर रखता था।महिला ने बताया कि मंगलवार की रात अनुज उसे कैफे ले गया,इसके बाद गांव की ओर जंगल में ले जाकर उसके साथ मारपीट की।इसी दौरान उसने अनुज के तमंचे से उसे गोली मार दी और मौके से चली गई।पुलिस ने आरोपी महिला को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

14.50 लाख रुपये में छूटा नगीना विकास प्रदर्शनी नुमाइश मेले का ठेका

दैनिक बुलंद मंजिल/ यासिर शम्सी

नगीना। नगर के हिंदू इंटर कॉलेज परिसर में शुक्रवार को विकास प्रदर्शनी नुमाइश मेले के ठेके की खुली बोली आयोजित की गई।इसमें 16 ठेकेदारों ने हिस्सा लिया।कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद मेले का ठेका 14 लाख 50 हजार रुपये में छोड़ा गया।ज्योति स्वरूप मेमोरियल मैदान में सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई नीलामी की शुरूआत पांच लाख रुपये से की गई।पहली बोली गौरव कुमार ने पांच लाख पांच हजार रुपये लगाई।इसके बाद मौजूद ठेकेदारों ने क्रमवार बोली बढ़ाई। अंत में इसकाई हाई इवेंट्स के प्रोपराइटर रिंकू कुमार पुत्र रमेश कुमार निवासी चंबा (हिमाचल प्रदेश) ने 14 लाख 50 हजार रुपये की सबसे ऊंची बोली लगाकर ठेका अपने नाम करा लिया।कॉलेज प्रबंधन यशवीर सिंह ने बताया कि विकास प्रदर्शनी नुमाइश मेला 20 मई से शुरू होगा,जिसकी अनुमति 30 जून तक रहेगी।एक जुलाई को कॉलेज का फील्ड मैदान पूरी तरह खाली कर कॉलेज प्रशासन को सौंपना होगा।मेले से संबंधित अन्य सभी अनुमतियां ठेकेदार को स्वयं प्राप्त करनी होंगी।बोली में राहुल,गौरव कुमार सिंधिया,राजपाल सिंह, मुनाफ अली,कुंवर सेन जैन,राधेश्याम,गौरव कुमार,नेक सिंह,अनुज कुमार,बेगराज,हर्ष राजपूत,रिंकू कुमार, इमरान,अरशद,सुलेमान और अंकुर कुमार मौजूद रहे।इस दौरान प्रधानाचार्य यशवीर सिंह,प्रवक्ता रणवीर सिंह,भानु प्रकाश सिंह, सहायक अध्यापक पवन कुमार,सुनील कुमार और राजेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे।

अफजलगढ़ में भीषण गर्मी से राहत के लिए नगर पालिका की पहल, शहर में लगाए गए ठंडे पानी के फ्रिज

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

अफजलगढ़। भीषण गर्मी से आम जनता को राहत दिलाने के उद्देश्य से नगर पालिका द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर ठंडे पानी के फ्रिज लगाए गए हैं। इस पहल से लोगों को काफी राहत मिल रही है। यह कार्य 1 मई 2026 को शुरू किया गया।

चेयरपर्सन पति जावेद विकार

चेयरपर्सन पति जावेद विकार ने बताया कि शहर में विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं। अफजलगढ़ में विभिन्न स्थानों पर बोर्ड लगाने और सौंदर्यीकरण का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि शहर की अधिकांश सड़कें बन चुकी हैं और शेष पर भी जल्द कार्य शुरू कराया जाएगा। फ्रिज लगाए जाने से आम जनता में खुशी का माहौल है। इसके साथ ही नगर पालिका सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत शहर के सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान दे रही है। शहर की सड़कों के किनारे डिजिटल लाइटें लगाई गई हैं, जिससे पहले गंदगी के ढेर रहने वाले स्थान अब साफ-सुथरे और आकर्षक नजर आने लगे हैं। लाइटों और उद्यानों के निर्माण से शहर का स्वरूप निखर रहा है। पालिका ईओ सुरेंद्र प्रताप सिंह ने जानकारी दी कि अफजलगढ़ के हर चौराहे पर लाइट और पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है, जिससे नगर को और अधिक सुंदर बनाया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ नगर पालिका अफजलगढ़ को मिल रहा है। और आगे भी अच्छे कार्य किए जाएंगे।

कब्रिस्तान की जमीन पर बनी मस्जिद पर बेदखली आदेश, डीएम कोर्ट में पहुंचा मामला

दैनिक बुलंद मंज़िल
बीरेंद्र सिंह/सिंहपुरसानी। संभल जनपद के थाना नखासा क्षेत्र स्थित गांव कसेरुआ में कब्रिस्तान और ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। तहसीलदार न्यायालय द्वारा कब्रिस्तान की जमीन पर निर्मित मस्जिद को लेकर बेदखली का आदेश जारी किए जाने के बाद मस्जिद कमेटी ने इस फैसले को जिलाधिकारी न्यायालय में चुनौती दी है। अब पूरे मामले की अगली कार्रवाई अपीलीय न्यायालय के निर्णय पर निर्भर करेगी।शुक्रवार दोपहर को तहसीलदार धीरेंद्र सिंह, नायब

तहसीलदार दीपक जुरैल तथा कानूनगो-लेखपालों की टीम ने गांव पहुंचकर विवादित भूमि की पैमाइश की। जांच में सामने आया कि गाटा संख्या 409 अभिलेखों में कब्रिस्तान की दर्ज भूमि पर एक मस्जिद और तीन मकान निर्मित हैं। खाद के गड्ढे के लिए आरक्षित भूमि पर लगभग आठ मकान बने पाए गए। वहीं गाटा संख्या 411, जो वृक्षारोपण हेतु निर्धारित भूमि है, उस पर भी एक व्यक्ति द्वारा खेती किए जाने की पुष्टि हुई।तहसीलदार धीरेंद्र सिंह ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा जिलाधिकारी को शिकायत देकर कब्रिस्तान की भूमि को सुरक्षित कराने की मांग की गई थी। अभिलेखों की जांच और मौके की पैमाइश में अवैध कब्जे की पुष्टि होने पर धारा 67 के तहत कार्रवाई करते हुए बेदखली का आदेश पारित किया गया। उन्होंने कहा कि मस्जिद कमेटी द्वारा स्वामित्व से संबंधित कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया जा सका।प्रशासन ने ग्राम समाज की भूमि पर मकान बनाने वालों को भी नोटिस जारी कर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी है अन्यथा उनके विरुद्ध भी विधिक कार्रवाई करते हुए जुमार्ना और बेदखली की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।प्रशासनिक कार्रवाई के बाद गांव में हलचल पैदा हो गई और सभी की नजर अब जिलाधिकारी न्यायालय के फैसले पर टिकी हुई है।

भगवान बुद्ध के बताएं मार्ग पर चलने का दिया बल।

दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया के कार्यकताओं ने किया कार्यक्रम।

दैनिक बुलंद मंज़िल / बीरेंद्र सिंह

सिंहपुरसानी। संभल तहसील क्षेत्र के गांव राया खुर्द में शुक्रवार की शाम चार बजे बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया संभल के कार्यकताओं ने बैठक की। वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बुद्ध पूर्णिमा एक पर्व ही नहीं बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला आध्यात्मिक संदेश हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ त्रिशरण व पंचशील के साथ किया गया। बैठक में जिलाध्यक्ष कृपाल सिंह ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा शांति, करुणा और सत्य का मार्ग अपनाने का दिन हैं। कहा कि बुद्ध पूर्णिमा एक पर्व ही नहीं बल्कि जीवन को

सही दिशा देने वाला आध्यात्मिक संदेश हैं। सोहित गौतम ने भगवान बुद्ध के जीवन, उनके उपदेशों,अहिंसा, करुणा और समता के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। सागर सिंह ने कहा कि भगवान बुद्ध का संदेश आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। जो समाज में शांति, सद्भावना एवं भाईचारे को बढ़ावा देता है। ग्राम प्रधान पुष्पेंद्र कुमार ने सभी से बुद्ध के मार्ग पर चलने की बात कही। कुमारी मीनू, देशराज सिंह और गणेश कुमार ने भगवान बुद्ध के जीवन पर गीत सुनाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृपाल सिंह व संचालन बलवीर सिंह ने किया। इस दौरान जेपी सहगल, सरजीत सिंह, रामौतार सिंह, राजू भारती, करन सिंह,अरुण कुमार,अमित कुमार, सतेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

सभी परिस्थितियों को ईश्वरीय आदेश मानकर करें स्वीकार, मिलेगी शांति

दैनिक बुलंद मंज़िल
बीरेंद्र सिंह/सिंहपुरसानी । संभल के श्री कल्कि धाम ऐंचोड़ा कम्बोह में माह के प्रथम दिवस को होने वाले मासिक सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग से पूर्व यज्ञ आयोजित किया गया, तत्पश्चात सत्संग में आशीर्वचन करते हुए श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि इस पुण्य भूमि पर लगातार दशकों से संतों और भक्तों का समागम हो रहा है। इस संसार में व्यक्ति का संपूर्ण जीवन संबंध-अनुबंध, अपने-पराए की व्याख्या एवं विवेचना में ही बीत रहा है, प्रत्येक व्यक्ति अपने अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण करना चाहता है, समाज को अपने हिसाब से

ढालना चाहता है, अपने सभी स्वजनों को अपने हिसाब से चलाना चाहता है, यहां तक कि परमपिता परमात्मा से भी व्यक्ति अपनी इच्छानुसार मांगता ही रहता है। इसी में व्यक्ति का जीवन बीत जाता है, यदि व्यक्ति की इच्छानुसार सब घटित होता है तो वह खुशी का अनुभव करता है और यदि इच्छा के विपरीत होता है तो व्यक्ति दुखी हो जाता है, इसी चक्र में जीवन व्यतीत हो जाता है। यदि हम इसमें थोड़ा सा परिवर्तन ले आयें और परिस्थितियों को ईश्वरीय आदेश मानकर हृदय से स्वीकार कर लें तो हमारी सोच ही बदल जाएगी और हमें हरपल सुख का ही अनुभव होगा। आज के सत्संग में विशेष रूप से महामंडलेश्वर स्वामी हरमनोजदास महाराज, स्वामी सत्यानंद , रामकिशोर त्यागी, सुधीर चाहल आदि रहे।

लाइसेंस शुल्क वृद्धि को लेकर नाव चालकों में उबाल, 3 मई से धरने का एलान

जहीर आलम / बुलंद मंजिल
मथुरा -10 अप्रैल को हुए भीषण नाव हादसे में 16 लोगों की जान जाने के बाद से नावों का संचालन बंद है, नगर निगम ने सुरक्षा की दृष्टि से नावों का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। पंजीकरण शुल्क अधिक होने से नाराज नाविकों ने अब धरना प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। शुक्रवार को केसीघाट पर नाविकों ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए नगर निगम के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया। ?बलवीर निषाद ने कहा कि नाविक पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं और अब नगर निगम द्वारा लगाया गया अत्यधिक पंजीकरण शुल्क उनके जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। वह कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर शुल्क कम करने और पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाने की गुहार लगा चुके हैं। लेकिन कोई सुनवाई नही हुई है। नाविकों ने कहा नगर निगम ने नावों के लाइसेंस शुल्क समेत अन्य मांगों पर विचार नहीं किया और शुल्क कम नहीं किया तो समस्त नाव चालक 3 मई से धरना-प्रदर्शन करने को विवश होंगे। प्रशासन सुरक्षा मानकों को लागू करे, लेकिन शुल्क के नाम पर नाविकों का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में वृहद स्वच्छता अभियान, डीएम ने किया श्रमदान

-डीएम अतुल वत्स के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में चला विशेष सफाई महाअभियान।

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल
हाथरस। अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में वृहद स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी अतुल वत्स ने स्वयं श्रमदान कर अभियान की शुरूआत की और उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्रम की गरिमा तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों

ने भी श्रमदान करते हुए परिसर की साफ-सफाई में सक्रिय भागीदारी निभाई। पूरे कलेक्ट्रेट परिसर में विशेष सफाई महाअभियान चलाया गया, जिसके तहत कार्यालय कक्षों, गलियारों, शौचालयों, पार्किंग स्थल, अधिवक्ता कक्षों एवं खुले क्षेत्रों की व्यापक सफाई की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस हमें श्रम की गरिमा और श्रमिकों के योगदान का सम्मान करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया है, जिसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि जब अधिकारी और कर्मचारी स्वयं श्रमदान करते हैं, तो यह समाज के लिए प्रेरणादायक संदेश बनता है। अभियान के दौरान अनावश्यक कचरे का निष्पादन, अभिलेखों का सुव्यवस्थित रख-रखाव और स्वच्छता मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को अपने-अपने कार्यालयों में नियमित स्वच्छता बनाए रखने, अभिलेखों का उचित रख-रखाव करने तथा अनुपयोगी सामग्री का समय-समय पर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के पदाधिकारी, अधिवक्तागण, जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

ऐचौड़ा कम्बोह थाना क्षेत्र में एक 14 वर्षीय नाबालिग लापता पड़ोसी युवक पर भगाने का आरोप

दैनिक बुलंद मंज़िल / शाकिब अली/ऐचौड़ा कम्बोह

ऐचौड़ा कम्बोह थाना क्षेत्र में एक 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है किशोरी की मां ने थाने में तहरी दी है जिसमें पड़ोसी के एक युवक पर उनकी बेटी को भगा ले जाने का आरोप लगाया गया है यह घटना 1 अप्रैल की सुबह करीब 4:00 की बताई जा रही है किशोरी के परिजनों को कुछ समय पहले पता चला था कि उनकी बेटी पड़ोसी युवक से फोन पर बात करती है उन्होंने बेटी को समझाया और युवक के घर जाकर ही शिकायत की लेकिन युवक नहीं माना तहरीर के अनुसार युवक 25 अप्रैल

2026 को भी किशोरी को लेकर कहीं चला गया था तब तलाश करने पर युवक डर के कारण किशोरी को गांव में छोड़कर चला गया था इस घटना के बाद किशोरी की माता-पिता ने उसे थाने क्षेत्र के एक पड़ोसी गांव में उसके मामा के घर भेज दिया था हालांकि 1 अप्रैल की सुबह 4:00 बजे किशोरी अपने मामा के घर से भी गायब हो गई परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका इसके बाद किशोरी की मां ने थाने में संबंधित युवक के खिलाफ नामजद तहरीर दी पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और नाबालिक किशोरी की बरामदगी की के लिए एक टीम का गठन किया

सावधान : कार्यवाही से बच रही मुरसान में संचालित चमारपट्टी में ह्यकीर्तिपुरम कालोनी, ग्राहकों से धोखाधड़ी, रकम पूरी

-आखिर क्यों ? प्रशासन मौन, चमारपट्टी में कीर्तिपुरम में धड़ल्ले से हो रही प्लॉटिंग

-अनिल चौधरी/ बुलंद मंजिल

हाथरस। सदर तहसील क्षेत्र के मुरसान कस्बा स्थित ग्राम चमारपट्टी में अवैध आवासीय कॉलोनी के निर्माण को लेकर मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। गाटा संख्या 79, 136 और 73/2 पर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के प्लॉटिंग और निर्माण कार्य खुलेआम जारी है, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार गाटा संख्या 73/2 पर कीर्तिपुरम नाम से कॉलोनी विकसित की जा रही है। वहीं गाटा संख्या 136, ब्लॉक रोड नगला बाबू तथा कन्हैया फार्म हाउस के आसपास भी अवैध रूप से प्लॉट काटे जा रहे हैं। आरोप है कि बुद्ध विहार कॉलोनी, सादाबाद अड्डा मुरसान

निवासी मोनू गौतम पुत्र बच्चू सिंह व अन्य लोगों द्वारा बिना किसी वैध स्वीकृति के यह निर्माण कराया जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि कृषि भूमि को बिना भूमि उपयोग परिवर्तन कराए ही आवासीय कॉलोनी में बदला जा रहा है। न तो नक्शा पास कराया गया है और न ही संबंधित विभागों से अनुमति ली गई है। इसके बावजूद सड़कों का निर्माण कर प्लॉट बेचे जा रहे हैं और खरीदारों को रजिस्ट्री के नाम पर गुमराह किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं और लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार की अवैध कॉलोनियां भविष्य में बड़ी समस्याओं को जन्म देती हैं। इनमें न तो जल निकासी, सड़क, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं सही ढंग से उपलब्ध हो पाती हैं और न ही कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित होती है, जिससे खरीदारों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

फिलहाल निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस अवैध निर्माण पर कब तक कार्रवाई करता है।

श्री राधारमण लाल के प्राकट्योत्सव पर बरसा आनंद

-ठाकुर जी के अभिषेक के दर्शन को उमड़ा आस्था का सैलाब

जहीर आलम / बुलंद मंजिल

वृन्दावन । सप्त देवालयों में सुमार श्री राधारमण मंदिर में शालिग्राम शिला से स्वयं प्रकट ठाकुर राधारमण लाल का 484वां प्राकट्योत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। उत्सव का साक्षी बने हजारों भक्तों ने अपने आराध्य के दर्शन कर स्वंय को धन्य किया, समूचा मंदिर प्रांगण बधाई गायन से गूंज उठा।

शुक्रवार को श्री धाम में ठाकुर राधारमण लाल के प्राकट्योत्सव के भक्ति श्रद्धा की अमृत वर्षा हुई। मंदिर में सुबह से ही उत्सव की विशेष धूम दिखाई दी। अनेक प्रकार के फूल-पत्तियों आदि से मंदिर में आकर्षक सजाया की गई। ठाकुर जी का

प्राकट्योत्सव मनाने के लिए मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लग गईं, चारों ओर भक्ति और श्रद्धा का वातावरण दिखाई देने लगा। मंदिर के सेवायत गोस्वामीजनों द्वारा ठाकुर राधारमण लाल का वेदमंत्रोच्चारण के मध्य 2100 लीटर दूध, दही, शहद, शर्करा, यमुना जल सहित जड़ी बूटियों से महाभिषेक किया गया। इस दौरान मौजूद सैकड़ों श्रद्धालु ठाकुर जी के महाभिषेक दर्शन और चरणामृत पाकर स्वयं को धन्य अनुभव कर रहे थे। पूरा मंदिर परिसर प्रभु के जयकारों और बधाई से गुंजायमान हो उठा।

इस अवसर पर आशीष किशोर गोस्वामी, पंकज गोस्वामी, विशाल गोस्वामी, जयति कृष्ण गोस्वामी, शुभम कांत गोस्वामी, गोपाल कृष्ण गोस्वामी, प्रखर गोस्वामी, वरुण गोस्वामी, चंद्रमणि गोस्वामी, पद्मनाभ गोस्वामी, पद्मलोचन गोस्वामी, अभिषेक गोस्वामी, योगेश गोस्वामी, अनुयोग गोस्वामी, कार्तिक गोस्वामी, युवांग गोस्वामी, आराध्य गोस्वामी, चित्रांश गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

कुतुबखाना चौराहे पर अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम से मची भगदड़, फड़ विक्रेता की मौत, बाजार में अफरा-तफरी

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। कुतुबखाना चौराहे पर गुरुवार को नगर निगम की कार्रवाई ने बाजार का माहौल अचानक बदल दिया। अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम को देखते ही फड़ विक्रेताओं में भगदड़ जैसे हालात बन गए। लोग अपना सामान समेटकर भागने लगे, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

टीम पहुंचते ही मचा हड़कंप, बाजार में दौड़ पड़े दुकानदार

उद्योग बंधु की शिकायत पर नगर निगम की टीम अवैध साप्ताहिक बाजार हटाने पहुंची थी। दोपहर में जैसे ही टीम ने कार्रवाई शुरू की, सड़क किनारे फड़ लगाने वालों में हड़कंप मच गया। कई दुकानदार जल्दबाजी में अपना सामान समेटते नजर आए, जबकि कुछ लोग बिना सामान लिए ही भाग खड़े हुए। इसी अफरा-तफरी के बीच शास्त्री मार्केट क्षेत्र में बर्तन का फड़ लगाने वाले 52 वर्षीय फैयाज पुत्र रियाज की अचानक तबीयत बिगड़ गई। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आसपास के लोगों का कहना है कि फैयाज को ब्रेन हेमरेज हुआ था।

मौत के बाद बाजार में खलबली, बीच में रुका अभियान

फड़ विक्रेता की मौत की खबर फैलते ही बाजार में खलबली मच गई। हालात बिगड़ते देख नगर निगम की टीम ने अपना अभियान बीच में ही रोक दिया और वापस लौट गई। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और बेचैनी का माहौल बना रहा। वहीं, राजस्व निरीक्षक सच्चिदानंद सिंह का कहना है कि अतिक्रमण हटाने के दौरान किसी तरह की कहासुनी या झड़प नहीं हुई। उन्होंने किसी के घायल होने या मौत की जानकारी से इनकार करते हुए इसे अफवाह बताया। हालांकि, मौके पर मौजूद लोगों के बीच इस घटना को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है।

उर्स से लौट रहे मौलाना की रहस्यमयी मौत पर देशभर में बवाल, परिवार बोला- मारपीट कर फेंका गया

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। उर्से ताजुश्शरिया में शामिल होकर बिहार लौट रहे जायरीन मौलाना तौसीफ रजा की ट्रेन से गिरकर हुई मौत अब बड़ा विवाद बनती जा रही है। शुरूआत में पुलिस ने इसे हादसा बताया, लेकिन अब परिजनों के गंभीर आरोपों और सियासी हस्तक्षेप के बाद मामला तूल पकड़ चुका है। परिवार का दावा है कि मौलाना के साथ ट्रेन में मारपीट हुई और उन्हें फेंका गया, जबकि पुलिस अभी भी जांच की बात कह रही है।

घटना 27 अप्रैल की है। बरेली के पालपुर रेलवे फाटक के पास ट्रैक किनारे एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान बिहार के किशनगंज जिले के पठावारी निवासी मौलाना तौसीफ रजा के रूप में हुई।

पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया कि सफर के दौरान झपकी लगने से वह ट्रेन से गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई। उस समय परिजनों ने भी इसे हादसा ही माना था।

पत्नी का दावा- फोन पर बोले थे डरा हुआ हूं, मारपीट हो रही है

मामले ने उस वक्त नया मोड़ ले लिया, जब मृतक की पत्नी तबस्सुम खातून ने चौंकाने वाला आरोप लगाया। उनका कहना है कि 26 अप्रैल की रात तौसीफ से उनकी आखिरी बार बात हुई थी। फोन पर उन्होंने बताया था कि ट्रेन में कुछ लोग उनके साथ मारपीट कर रहे हैं और वह काफी डरे हुए हैं। इसी आधार पर परिवार अब हत्या की आशंका जता रहा है और आरोप लगा रहा है कि मारपीट के बाद उन्हें ट्रेन से फेंका गया।

ओवैसी समेत कई नेताओं ने उठाए सवाल, जांच की मांग तेज

मामला सामने आने के बाद राजनीति भी गरमा गई है। एआईएमआईएम के नेताओं ने इसे गंभीर बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। बिहार एआईएमआईएम के अध्यक्ष अख्तरुल ईमान के बाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी सवाल उठाते हुए कहा कि सच्चाई सामने आनी चाहिए। सियासी दबाव बढ़ने के बाद अब पुलिस भी मामले को गंभीरता से लेने की बात कर रही है।

एसपी सिटी बोले- तहरीर मिलने पर होगी कार्रवाई

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया था और उस समय तक परिवार इसे हादसा ही मान रहा था। हालांकि अब परिजनों ने मारपीट की आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि परिवार से बातचीत की गई है और तहरीर मिलने पर मामले में जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि 24 और 25 अप्रैल को बरेली में उर्से ताजुश्शरिया आयोजित हुआ था। मौलाना तौसीफ रजा इसमें शामिल होने किशनगंज से बरेली आए थे और 26 अप्रैल को घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

यूपी के इस जिले में ताबड़तोड़ फायरिंग से किसान की हत्या, चारपाई के पास मिला खून से लथपथ शव

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। फरीदपुर थाना क्षेत्र के रायपुर हंस गांव में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। गांव के ही आम के बाग में एक किसान को गोलियों से भूनकर मौत के घाट उतार दिया गया। उसका शव चारपाई के पास खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। सुबह खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने जब यह मंजर देखा तो इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

मृतक की पहचान गांव निवासी इंद्रपाल के रूप में हुई है, जो बाग की रखवाली के लिए अक्सर वहीं रुकते थे। शुक्रवार सुबह जब ग्रामीण टहलने और खेतों की ओर जा रहे थे, तो उन्होंने चारपाई के पास इंद्रपाल का शव पड़ा देखा। पास जाकर देखने पर शरीर में कई जगह गोलियों के निशान मिले—सीने, पेट और पैर में गोलियां धंसी थीं। खून चारों ओर फैला हुआ था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि हमलावरों ने बेहद करीब से ताबड़तोड़ फायरिंग की।

भतीजी को लेकर पुरानी रंजिश, चार लोगों पर आरोप

परिजनों ने हत्या के पीछे पुरानी रंजिश को वजह बताया है। उनका कहना है कि इंद्रपाल की भतीजी को गांव के ही एक युवक द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया था, जिसके बाद से दोनों पक्षों में तनाव चल रहा था। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते गांव के ही रिशिपाल, सर्वेश, विकास और संगम ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद से सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

शादी से लौटकर बाग में सोने गए थे, सुबह मिली लाश

स्वजन के अनुसार, इंद्रपाल गुरुवार रात एक शादी समारोह में शामिल होकर लौटे थे। इसके बाद वह रोज की तरह अपने आम के बाग में सोने के लिए चले गए। सुबह जब काफी देर तक वह घर नहीं लौटे और ग्रामीणों ने उनका शव देखा, तब घटना की जानकारी परिवार को मिली। खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया और गांव में मातम पसर गया।

मौके पर पहुंची पुलिस, गिरफ्तारी के लिए दबिश तेज

घटना की सूचना पर फरीदपुर पुलिस के साथ एसपी साउथ अंशिका वर्मा मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों की तलाश में दबिश शुरू कर दी है और जल्द गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है।

मुनाफे के लिए जहर परोस रहे मिलावटखोर, बरेली में 72 में से 35 नमूने फेल, 5 खतरनाक घोषित

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। होली के त्योहार पर रंगों के साथ खाने-पीने की चीजों में भी मिलावट का काला खेल सामने आया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जांच रिपोर्ट ने शहर के बाजारों की हकीकत उजागर कर दी है। जांच में 72 में से 30 नमूने अधोमानक और 5 नमूने सीधे तौर पर असुरक्षित पाए गए हैं, जिनमें खतरनाक केमिकल और रंगों की मिलावट मिली है। यह स्थिति साफ बताती है कि मुनाफे के लिए लोगों की सेहत से खुला खिलवाड़ किया जा रहा है।

विभाग ने 16 से 28 फरवरी तक विशेष अभियान चलाकर 46 प्रतिष्ठानों से 72 खाद्य नमूने लिए थे। जांच रिपोर्ट आने के बाद अब कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू हो गई है। असुरक्षित पाए गए पांच नमूनों के मामले में दुकानदारों को नोटिस जारी किए जाएंगे और 30 दिन में जवाब मांगा जाएगा। इसके बाद सहायक आयुक्त की स्वीकृति से एसीजेएम प्रथम कोर्ट में मुकदमा दायर किया जाएगा। जिन 30 नमूनों को अधोमानक पाया गया है, उनके मामलों की सुनवाई एडीएम सिटी कोर्ट में होगी। इन मामलों में अधिकतम पांच लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। विभाग की इस कार्रवाई से बाजार में हड़कंप मचा हुआ है।

सौंफ में जहरीला ब्रिलिएंट ब्लू, तेल में बटर यलो की मिलावट

जांच में शीशगढ़ के नूरी ट्रेडर्स और परसाखेड़ा की एक दुकान से ली गई सौंफ में ब्रिलिएंट ब्लू जैसे हानिकारक रंग की मिलावट पाई गई। वहीं करगियाना गौटिया, सुभाषनगर से लिए गए सरसों के तेल में बटर यलो रंग मिला, जो सेहत के लिए बेहद खतरनाक माना जाता है। शाहदाना के एनडी इंटरनेशनल से लिए गए रिफाइंड पाम ऑयल में आयोडीन की मिलावट सामने आई। वहीं नवाबगंज के बरौर स्थित एक प्रतिष्ठान से लिए गए बेसन में पीले रंग की मिलावट पाई गई, जिससे इसकी गुणवत्ता पूरी तरह प्रभावित हो गई।

स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा, कैंसर तक का जोखिम

जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. वैभव शुक्ला ने चेतावनी दी है कि खाद्य पदार्थों में सिंथेटिक और केमिकल रंगों की अधिकता शरीर के लिए बेहद खतरनाक है। इससे कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वितीय अक्षय गोयल ने बताया कि होली के दौरान लिए गए नमूनों की रिपोर्ट हाल ही में आई है। पांच नमूने असुरक्षित और 30 अधोमानक पाए गए हैं। सभी मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करते हुए दोषियों पर मुकदमा दर्ज कर जुमार्ना लगाया जाएगा।

*"जहां रोज लगती है मजदूरों की मंडी, वहां तक नहीं पहुंचा मजदूर दिवस

यहां लगती है मजदूरों की मंडी, सम्मान अब भी दूर, बंद कमरों में सिमटा मजदूर दिवस

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर जहां एक ओर शहर में विभिन्न संगठनों और संस्थाओं द्वारा बंद कमरों में कार्यक्रमों की औपचारिकता निभाई गई, वहीं दूसरी ओर शहर की सड़कों और चौराहों पर रोज की तरह मजदूरों की मंडी सजती रही। दिहाड़ी मजदूर सुबह से ही काम की तलाश में चौक-चौराहों पर जुटे रहे, लेकिन उनके हिस्से न तो कोई विशेष सम्मान आया और न ही जनप्रतिनिधियों की सीधी सहभागिता। शहर के सीबीगंज सहित विभिन्न इलाकों जैसे कुतुबखाना, सिविल लाइंस और रेलवे स्टेशन के आसपास हर दिन की तरह मजदूरों का जमावड़ा लगा रहा। ये मजदूर ठेकेदारों और मालिकों के इंतजार में घंटों खड़े रहते हैं, जहां उन्हें काम मिलने की कोई गारंटी नहीं होती। मजदूरों का कहना है कि मजदूर दिवस हमारे लिए बस एक नाम भर है, हमारी जिंदगी में आज भी वही संघर्ष है, जो सालों से चला आ रहा है। इधर, मजदूर दिवस पर शहर में कई संगठनों ने सभाएं और गोष्ठियां आयोजित कीं। इन कार्यक्रमों में श्रमिकों के अधिकारों, न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा पर चर्चा हुई, लेकिन अधिकांश आयोजन सीमित दायरे में ही सिमटकर रह गए। मजदूरों का आरोप है कि इन आयोजनों में वही लोग शामिल होते हैं, जो पहले से सुविधाओं से जुड़े हैं, जबकि वास्तविक दिहाड़ी मजदूरों तक इनका लाभ कभी नहीं पहुंच पाता। हाल ही में मजदूर संगठनों ने नए श्रम कानूनों और रोजगार की अनिश्चितता को लेकर आवाज उठाई है और मजदूर दिवस पर प्रदर्शन की चेतावनी भी दी थी। वहीं शहर में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा रोजगार मेलों का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे युवाओं और श्रमिकों को काम मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके बावजूद हकीकत यह है कि बड़ी संख्या में मजदूर अब भी असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे हैं, जहां न तो स्थायी रोजगार है और न ही सामाजिक सुरक्षा की ठोस व्यवस्था। मजदूरों की यह मंडी शहर की उस सच्चाई को उजागर करती है, जहां मेहनतकश वर्ग आज भी अपने अधिकारों और सम्मान के लिए संघर्ष कर रहा है। मजदूर दिवस के मौके पर यह विरोधाभास साफ नजर आया, कि एक तरफ सभागारों में भाषण और सम्मान समारोह, तो दूसरी तरफ सड़कों पर खड़े मजदूर, जो आज भी अपने हिस्से के सम्मान और स्थिर भविष्य का इंतजार कर रहे हैं।

रिश्तेदार पर छेड़छाड़ का आरोप, ऑडियो रिकॉर्डिंग से ब्लैकमेल का मामला सामने

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें एक महिला ने अपने ही रिश्तेदार पर छेड़छाड़ और धमकी देने का आरोप लगाया है। साथ ही, महिला की ननद पर ऑडियो रिकॉर्डिंग के जरिए ब्लैकमेल करने का भी आरोप लगाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहर के जगतपुर निवासी एक महिला ने थाना बारादरी में दिए प्रार्थना पत्र में बताया है कि उसका नंदोई, जो सूफी टोला क्षेत्र का रहने वाला है, अक्सर उसके घर आता-जाता था। महिला का आरोप है कि वह कई बार उसके साथ अश्लील हरकतें करने का प्रयास कर चुका है और उस पर गलत नजर रखता था। महिला ने बताया कि जब उसने इस बात की जानकारी अपनी ननद को दी, तो उसने उल्टा उसे ही झूठे अवैध संबंधों में फंसाने की धमकी दी। आरोप है कि ननद ने व्हाट्सएप पर ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजकर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और यह रिकॉर्डिंग उसके पति के फोन पर भी भेज दी, जिससे पति-पत्नी के रिश्ते में तनाव पैदा हो गया। प्रार्थना पत्र के अनुसार, 12 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 11 बजे, जब महिला घर पर अकेली थी, तभी आरोपी पीड़िता के घर पहुंचा और उसके साथ छेड़छाड़ की। महिला का आरोप है कि आरोपी ने उसे जबरन पकड़ लिया और परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता ने थाना प्रभारी से इस मामले में दोनों आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच शुरू कर दी है और पूरे मामले की छानबीन की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद तथ्यों के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हल्की बारिश, तेज हवा या बढ़ता तापमान हर हाल में बीमार पड़ जाती है बिजली व्यवस्था

जिले में लगातार कटौती और ट्रिपिंग से जनता परेशान, बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। जिले में इन दिनों बिजली आपूर्ति की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। हल्की सी बूंदाबांदी हो, तेज हवाएं चलें या फिर तापमान में बढ़ोतरी हो, हर परिस्थिति में बिजली व्यवस्था चरमरा जाती है। हालात ऐसे हैं मानो बिजली विभाग कोई नवजात शिशु हो, जो न तो हल्की ठंडक सहन कर पाता है और न ही गर्मी, और हर बदलाव के साथ उसकी ह्लतबीयतह्व खराब हो जाती है। पिछले कुछ दिनों से जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बार-बार बिजली कटौती और ट्रिपिंग की समस्या सामने आ रही है। दिन में कई बार अचानक बिजली गुल हो जाती है, जिससे लोगों के दैनिक कार्यों पर सीधा असर पड़ रहा है। खासकर व्यापारियों, छात्रों और घरेलू उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हल्की बारिश के दौरान ही बिजली लाइनों में फॉल्ट आ जाना या तेज हवाओं में सप्लाई ठप हो जाना, विभाग की कमजोर तैयारियों को उजागर करता है। वहीं, तापमान बढ़ते ही ओवरलोडिंग का हवाला देकर बिजली कटौती शुरू कर दी जाती है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या विभाग के पास मौसम के अनुसार कोई ठोस प्रबंधन योजना है भी या नहीं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी गंभीर है, जहां घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रहती है। कई गांवों में रात के समय भी बिजली नहीं मिल रही, जिससे गर्मी में लोगों का हाल बेहाल हो रहा है। किसानों को भी सिंचाई में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने, जर्जर लाइनों को बदलने और नियमित मेंटेनेंस की जरूरत है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि समस्याएं साल दर साल जस की तस बनी हुई हैं। उधर, बिजली विभाग के अधिकारी तकनीकी खराबी और ओवरलोडिंग को इसकी मुख्य वजह बता रहे हैं। उनका कहना है कि टीम लगातार फॉल्ट सुधारने में जुटी है और जल्द ही व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि, जनता के लिए यह आश्वासन अब खोखले साबित हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब तक ठोस और स्थायी समाधान नहीं किया जाएगा, तब तक हर मौसम में बिजली व्यवस्था इसी तरह ह्लबीमारह्व होती रहेगी। फिलहाल बरेली जिले में बिजली की लगातार कटौती और ट्रिपिंग ने यह साफ कर दिया है कि व्यवस्था को मजबूत करने के लिए केवल दावे नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की जरूरत है, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

बरेली: पुरानी रंजिश में युवक की हत्या का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार; आलाकत्ल बरामद

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। सीबीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम जोगीठेर में पुरानी रंजिश के चलते हुए युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लाठी-डंडे भी बरामद कर लिए हैं। घटना 19 अप्रैल 2026 की रात करीब 1 बजे की है। ग्राम जोगीठेर निवासी हरिओम तिवारी पुत्र हरिनंदन कथित रूप से शराब के नशे में गांव के ही नन्होरी उर्फ हरीश कुमार कश्यप के घर के पास पहुंचा और गाली-गलौच करने लगा। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि नन्होरी उर्फ हरीश कुमार कश्यप ने अपने पिता रामदास के साथ मिलकर हरिओम पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों द्वारा उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की मां निर्मला पत्नी हरिनंदन की तहरीर के आधार पर थाना सीबीगंज में 20 अप्रैल 2026 को मुकदमा दर्ज किया गया था। प्रारंभ में धारा 131, 115(2) और 118(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीकृत हुआ, लेकिन हरिओम की मृत्यु के बाद इसमें धारा 103(1) (हत्या) की बढ़ोतरी कर दी गई। इसी क्रम थाना सीबीगंज पुलिस ने 1 मई 2026 को बड़ी कार्रवाई करते हुए मुखबिर की सूचना पर पस्तौर मोड़ से वांछित अभियुक्त हरीश कुमार कश्यप उर्फ नन्होरी पुत्र रामदास कश्यप निवासी जोगीठेर गौटिया को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लाठी-डंडे (आलाकत्ल) भी बरामद कर लिए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है, जिसे देखते हुए पुलिस सतर्क है और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

Water Security Must Include Sanitation & Reuse

Krishna Swaroop Konidena

India is home to 18% of the world's population, but only 4 per cent of its freshwater resources. Much of the conversation around water security therefore tends to focus on supply, how to store more, distribute better and stretch what little there is. While necessary, this conversation remains one-dimensional.

Nearly 80 per cent of the water used, leaves our homes as 'usedwater'. In a water-stressed nation, this isn't just 'waste'; it is a massive, untapped resource that returns to the system every single day. Until we bridge the gap between water supply and its inevitable return as a treated resource, our water security will remain a 'leaky bucket' constantly trying to fill a container without addressing where the contents are going.

Water and sanitation are often treated as separate focus areas, but they are two sides of the same coin. When we talk about 'treated water,' the conversation usually stops at the liquid. We focus on how to clean the water for reuse in gardens or industry, but in doing so, we lose sight of another valuable 'by-product': The sludge.

Sludge is a nutrient goldmine. Whether it is faecal sludge from septic tanks and pits or sewage sludge from sewage treatment plants, this material is packed with the organic carbon, nitrogen, phosphorus, and potassium that India's soils are starving for. About 85 per cent of India's soils are deficient in organic carbon. By ignoring sludge, we are essentially throwing away the very nutrients we currently spend billions importing as chemical fertilisers.

Demonstrated potential: From farms to kilns

The potential of this 'waste' is not a theoretical dream; it is a proven reality waiting to be scaled. We have already demonstrated two powerful pathways for reuse:

- **In agriculture:** In Devanahalli, a small town in Karnataka, a low-cost treatment plant has been co-composting faecal sludge since 2015. The result? A nutrient-rich compost that meets Fertilizer Control Order norms and is so effective that local farmers actively seek it out.
- **In industry:** Sewage sludge has a high calorific value, making it an excellent fuel source. By co-processing dried sludge in cement kilns or brick kilns, we can turn a disposal headache into a renewable energy source, reducing the industrial reliance on coal.

From the fields of Odisha to the kilns of the cement industry, the evidence is mounting: Sludge is a productive resource.

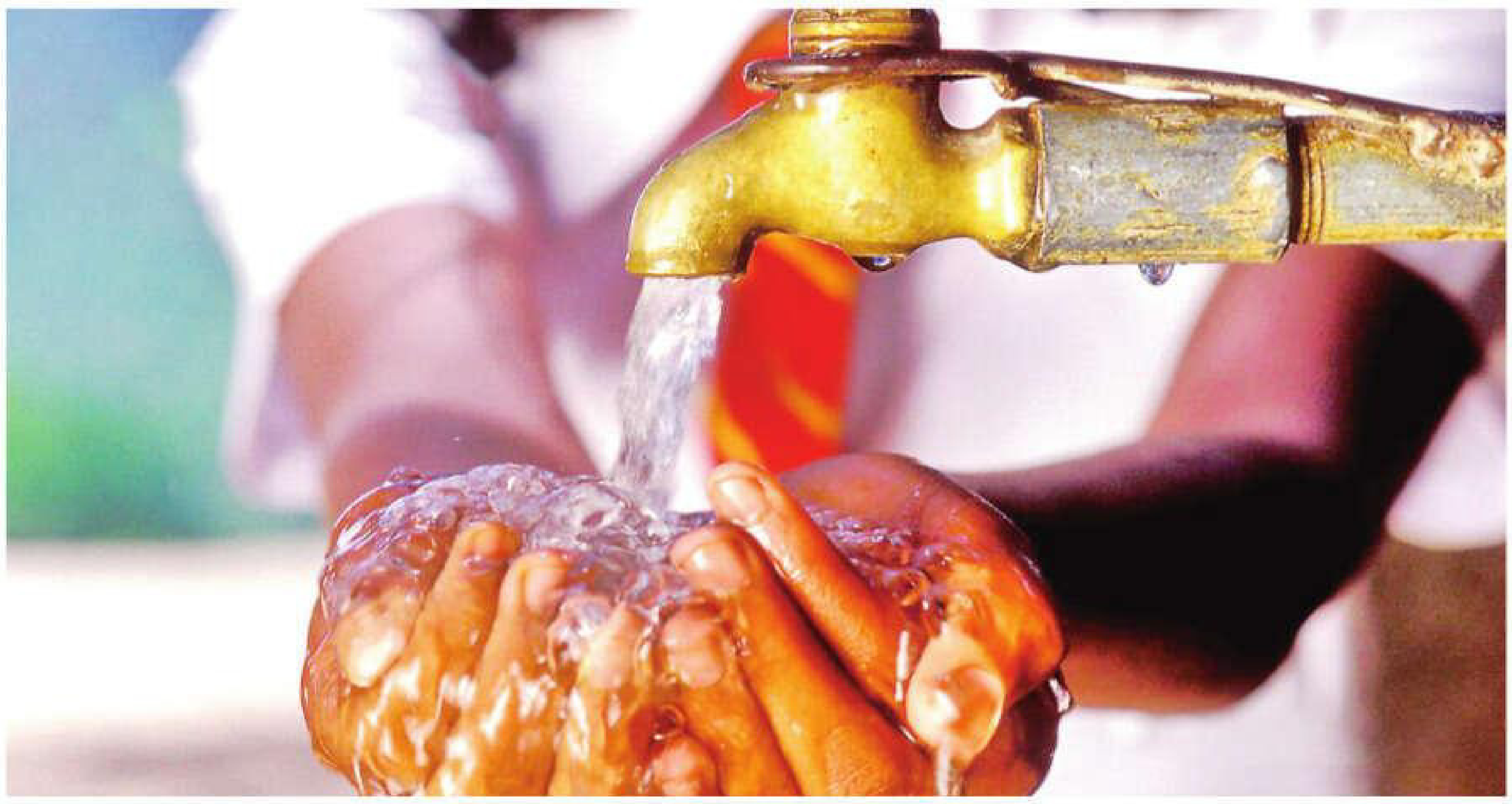

Why does it fly under radar?

If the value is known and the technology is proven, why are piles of sludge still accumulating at sewage treatment plants? Why does sludge management continue to fly under the radar of our national water agenda?The answer lies in a combination of regulatory gaps and broken links. Even when treatment is successful, there is often no clear regulatory pathway or certification to move these biosolids into the market.

The Fertiliser Control Order of 1985 has yet to fully integrate treated human waste as a mainstream input. Without enforceable national standards and a testing infrastructure that guarantees safety, 'waste' stays 'waste,' piling up at treatment sites because there is no official "permission" to use it.

> About 85 per cent of India's soils are deficient in organic carbon. By ignoring sludge, we are essentially throwing away the very nutrients we currently spend billions importing as chemical fertilisers.

Choice, not technical barrier

The quality of India's rivers, the safety of its groundwater, and the health of its soils are all downstream of how we manage these outputs. From Devanahalli to Dhenkanal, we see that the technical barriers are not what is holding us back. Farmers want the product. Industries can use the energy.The 'sludge piles' at our treatment plants are a physical manifestation of a policy gap. Regulatory gaps are, ultimately, a choice.Water security must be understood as more than access to freshwater alone. It is about the responsibility to close the loop. Sanitation reuse must be recognized as a core pillar of our water strategy - not as a technical footnote, but as a practical, fundable pathway to a more resilient India.

(Courtesy: DTE)

चांदपुर में बेलगाम खनन माफिया! शिकायतों की बाढ़, कार्रवाई शून्य – प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल

सोशल मीडिया से लेकर उच्च अधिकारियों तक गुहार, फिर भी नहीं रुका अवैध खनन – पटवारी देख लेगा कहकर टला मामला

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर तहसील क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का खेल लगातार जारी है। दिनदहाड़े जेसीबी मशीनों से मिट्टी की खुदाई और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से ढुलाई खुलेआम हो रही है, लेकिन प्रशासनिक कार्रवाई अब तक शून्य बनी हुई है। स्थानीय लोगों व पत्रकारों का कहना है कि इस अवैध खनन की सूचना बार-बार प्रशासनिक अधिकारियों को सोशल मीडिया व ट्विटर के माध्यम से दी गई। यहां तक कि उच्च अधिकारियों द्वारा क्षेत्राधिकारी (सीओ) चांदपुर को संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

इसके बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं और खनन माफियाओं के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं।

सूचना के बाद भी नहीं हिला तंत्रः

सूत्रों के अनुसार, तहसीलदार चांदपुर आलोक कठेरिया को भी मामले से अवगत कराया गया, जिस पर उन्होंने पटवारी जाकर देख लेगा कहकर मामला टाल दिया। लेकिन न तो पटवारी मौके पर पहुंचा और न ही किसी प्रकार की जांच या कार्रवाई की गई।

प्रशासन पर उठे बड़े सवालः

लगातार शिकायतों और निर्देशों के बावजूद कार्रवाई न होना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। क्या यह केवल लापरवाही है या फिर कहीं न कहीं संरक्षण की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता?

अब तक कार्रवाई शून्य, आखिर क्यों?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब मामले की जानकारी बार-बार दी जा चुकी है और उच्च स्तर से निर्देश भी मिल चुके हैं, तो आखिर अब तक खनन माफियाओं पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

स्थानीय लोगों की मांगः

?? अवैध खनन पर तत्काल छापेमारी कर रोक लगाई जाए

?? संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए

?? खनन माफियाओं के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए

निगाहें प्रशासन परः

अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर कब तक मौन रहता है या फिर कोई ठोस कार्रवाई कर जनता का विश्वास बहाल करता है।

चांदपुर के बास्टा क्षेत्र में बिजली व्यवस्था ध्वस्त, 9 फीडर ठप भीषण आंधी-तूफान का कहर

लुहारपुरा 33/11 केवी बिजली घर को भारी नुकसान, दर्जनों गांव अंधेरे में डूबे – बहाली में जुटी टीमें, ग्रामीण बेहाल

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। तहसील के बास्टा क्षेत्र में बीती रात आई तेज आंधी और तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। प्राकृतिक आपदा के चलते क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। लुहारपुरा स्थित 33/11 केवी बिजली घर को भारी क्षति पहुंचने से कुल 11 में से 9 फीडर पूरी तरह बंद हो गए हैं, जबकि केवल 2 फीडर ही आंशिक रूप से संचालित हो पा रहे हैं।

तेज अंधड़ और तूफान के चलते कई स्थानों पर बिजली के खंभे धराशायी हो गए। इसके अलावा पेड़ों के बड़े-बड़े तने और टहनियां हाईटेंशन व एलटी लाइनों पर गिरने से तार टूट गए, जिससे आपूर्ति बाधित हो गई।

बिजली विभाग के जेई अमरजीत सिंह ने बताया कि आंधी के कारण विभाग को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि लुहारपुरा बिजली घर से जुड़े अधिकांश फीडरों की लाइनों को गंभीर क्षति पहुंची है, जिससे बहाली कार्य चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

आंधी के बाद से बास्टा और लुहारपुरा क्षेत्र के दर्जनों गांवों में अंधेरा पसरा हुआ है। ग्रामीणों को पीने के पानी, मोबाइल चार्जिंग और अन्य दैनिक जरूरतों के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार, नुकसान का आकलन किया जा रहा है और मरम्मत कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। बिजली कर्मियों की टीमें रात से ही गिरे हुए पेड़ों को हटाने और टूटी लाइनों को ठीक करने में लगी हुई हैं। हालांकि, सभी फीडरों की आपूर्ति सुचारू रूप से बहाल होने में अभी समय लग सकता है।

ग्रामीणों में रोष, जल्द बहाली की मांगः

लगातार बिजली गुल रहने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति बहाल की जाए, ताकि सामान्य जीवन पटरी पर लौट सके।

फिलहाल, बास्टा क्षेत्र में हालात गंभीर बने हुए हैं और लोगों की नजरें बिजली बहाली पर टिकी हैं।

दहेज की मांग पूरी न होने पर गर्भवती महिला से मारपीट

दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। थाना क्षेत्र के ग्राम छितौनी में दहेज की मांग को लेकर गर्भवती महिला से मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता हिना ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष 5 लाख रुपये की मांग कर रहा था। मायके पक्ष द्वारा 2 लाख रुपये देने के बावजूद प्रताड़ना जारी रही।आरोप है कि शुक्रवार सुबह पति ने गर्भ में पल रहे बच्चे की जांच के बहाने ले जाने की बात कही और बेटी होने पर गर्भपात कराने की धमकी दी। विरोध करने पर मारपीट की गई और मोबाइल के डाटा केबल से गला दबाने का प्रयास किया गया, जिससे महिला बेहोश हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे मायके पक्ष के लोग उसे थाने लेकर पहुंचे और मामले की तहरीर दी।

बुद्ध पूर्णिमा पर हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

सिंहराज सागर/ दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। क्षेत्र में बुद्ध पूर्णिमा पर बड़ी तादात में श्रद्धालु गंगा स्नान करने पहुंचे।शुक्रवार को थाना क्षेत्र के रामगंगा घाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई। गंगा घाट पर गुरुवार की तड़के से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचे।मान्यता है कि बुद्ध पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने से देवता खुश होते हैं। इसी के चलते श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान करने के बाद गंगा तट पर स्थित मंदिरों में पूजा अर्चना की और भोग लगाया। श्रद्धालुओं ने भगवान सत्यनारायण व्रत कथा का श्रवण एवं दानपुण्य किया।बुलंद मंजिल से बातचीत में लोगों ने बताया कि बुद्ध पूर्णिमा कई वजह से महत्वपूर्ण दिन है। यह भगवान बुद्ध के जन्म, सत्य का ज्ञान और महापरिनिर्वाण के तौर पर महत्वपूर्ण तिथि मानी जाती है। बुद्ध पूर्णिमा का संबंध बुद्ध के साथ केवल जन्म भर का नहीं है, बल्कि इसी पूर्णिमा तिथि को वर्षों वन में भटकने व कठोर तपस्या करने के पश्चात बोधगया में बोधिवृक्ष नीचे बुद्ध को सत्य का ज्ञान हुआ था। वैशाख पूर्णिमा के दिन ही कुशीनगर में उनका महापरिनिर्वाण भी हुआ। बुद्ध पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध को मानने वाले उनके उपदेश सुनते हैं और उनके बताए मार्ग पर चलने का प्रण लेते हैं।

सीज भट्ठा फिर चालू! कुण्डा खुर्द में मलिक ब्रिक्स वर्क्स पर प्रशासन बेअसर

फर्जी शपथ पत्र से जमीन हड़पने के आरोप, सोशल मीडिया पर शिकायतों के बावजूद नहीं हुई ठोस कार्रवाई

दैनिक बुलंद मंजिल /
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। तहसील चांदपुर क्षेत्र के ग्राम कुण्डा खुर्द में स्थित मलिक ब्रिक्स वर्क्स नामक ईंट भट्ठा एक बार फिर विवादों के केंद्र में है। प्रशासन द्वारा पूर्व में सीज किए जाने के बावजूद भट्टे का दोबारा संचालन शुरू हो जाने से कानून व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों और पीड़ित परिवारों का आरोप है कि यह भट्ठा बिना वैधानिक अनुमति के संचालित किया जा रहा है और भट्ठा संचालकों ने पड़ोसी किसानों की पैतृक भूमि पर जबरन कब्जा कर लिया है। पीड़ितों–ओमपाल सिंह, गंगादेई, रतिराम और राकेश कुमार–के नाम से कथित रूप से फर्जी शपथ पत्र तैयार कर जमीन हड़पने के भी आरोप लगाए गए हैं।

बताया जाता है कि 11 मार्च 2026 को जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने मौके पर छापा मारकर जांच की थी और अनियमितताएं मिलने पर भट्टे को सीज कर दिया गया था। इसके बाद भी कुछ समय में भट्ठा दोबारा चालू हो गया, जिससे प्रशासनिक आदेशों की खुली अनदेखी सामने आई है।

शिकायतों के बावजूद नहीं हुई कार्रवाईः

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मामले को लेकर ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

इतना ही नहीं, बिजनौर पुलिस द्वारा थाना प्रभारी नूरपुर को जांच कर कार्रवाई करने के आदेश दिए गए थे, लेकिन उन आदेशों का भी कोई प्रभाव जमीन पर दिखाई नहीं दे रहा है।

ग्रामीणों में आक्रोश, प्रशासन पर आरोपः

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन कार्रवाई के नाम पर केवल कागजी खानापूर्ति कर रहा है, जिससे अवैध कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं और आम आदमी खुद को असहाय महसूस कर रहा है।

मुख्यमंत्री से लगाई गुहारः

पीड़ित परिवारों ने माननीय योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, अवैध कब्जा हटाया जाए और भट्टे को स्थायी रूप से बंद कराया जाए।

बड़ा सवालः

क्या इस बार प्रशासन सख्त कदम उठाएगा, या फिर अवैध भट्टा संचालक यूं ही कानून को चुनौती देते रहेंगे?

दैनिक बुलन्द मंज़िल
Glamour
संभल
शनिवार, 02 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

AMRITA RAO PRAISES FARAH KHAN AS 'AHEAD OF HER TIME' AS 'MAIN HOON NA' CLOCKS 22

Actress Amrita Rao turned nostalgic as her cult film Main Hoon Na, completed 22 years on the 30th of April.

The actress heaping praise on Main Hoon Na director Farah Khan, called her "way ahead of her time."

Sharing a heartfelt note, Rao reflected on the film's enduring charm, memorable music and iconic characters, adding that "they don't make films like these anymore."

She wrote, "MAIN HOON NA Anniversary Today. One more 'Cult' film in my Kitty That seems to grow only bigger with time."

She added, "Farah Khan my Jhansi ki Rani Director all I can say is SHE IS FAAAR'ah Ahead Of Her Time !! Be the costumes, the hairstyles, envisioning the One take song Chale Jaise Hawayen, and all the songs of Main Hoon Na.. really they don't make them any more !! They don't make them anymore! (sic)"

He added, "The humour, the scenes, characters like Percy, the Spitting Professor in Satish Shah Ji, Bindu ji playing the teacher flirting with Major Ram!"

Amrita further wrote, "Main Hoon Na will always be Main Hoon Na a film that we all grew up watching that holds the special place in our heart."

"Today on Main Hoon Na Anniversary, send this Reel to someone who holds a special place in your heart and tell them - MAIN HOON NA," she concluded.

For the uninitiated, Amrita Rao played the fearless, blunt yet kind Sanjana in the Shah Rukh Khan-starrer.

The movie's soundtrack continues to be one of its biggest strengths of the movie, with songs like "Tumse Milke," "Chale Jaise Hawaayein," "Gori Gori," and the title track becoming chartbusters.

From its action sequences to dance choreographies and cinematography, Main Hoon Na received great reviews for it all.

The movie along with Amrita Rao also starred Shah Rukh Khan, Sushmita Sen, Zayed Khan, Bindu, late Satish Shah, Boman Irani, and Naseeruddin Shah.

AFTER CONTROVERSY, SAMAY & RANVEER SHARE STAGE ON KAPIL SHOW

The upcoming special episode of the streaming sketch comedy show 'The Great Indian Kapil Show' will feature Samay Raina and Ranveer Allahbadia.

The special episode for World Laughter Day marks the reunion of Samay Raina and Ranveer Allahbadia after the India's Got Latent controversy triggered by Ranveer's remarks on the reality show.

Talking about the show, Kapil Sharma said, "Humare show ko audience se jo pyaar mila hai, usse yahi motivation milta hai ki unhe fresh aur entertaining content diya jaye. World Laughter Day ke mauke par Netflix ke saath ek special episode plan kiya hai, natural, fun aur full of laughter. Is baar Samay aur Ranveer bhi apne andaaz mein jud kar is celebration ko aur engaging bana rahe hain. Bas itna hi chahte hain ki log humare saath hass kar is din ko enjoy karein (The love our show has received from the audience is what motivates us to provide them with fresh and entertaining content. On the occasion of World Laughter Day, we have planned a special episode with Netflix, natural, fun, and full of laughter. This time, Samay and Ranveer are also joining in their own style to make this celebration even more engaging. We just want people to enjoy this day with us by laughing together)".

Elsewhere during the episode, the stage flips into the 'TGIKS' News Debate, with Sunil Grover at the centre. And in true TGIKS fashion, Krushna Abhishek as Mona and Kiku Sharda as Sona jump in right on cue, keeping the chaos alive till the end.

'The Great Indian Kapil Show' is produced by K9 Productions, led by Kapil Sharma and Salman Khan. The format combines sketch comedy, stand-up monologues, celebrity interviews, and audience interaction. The core cast includes Kapil Sharma as host, Sunil Grover, Krushna Abhishek, Kiku Sharda, and Rajiv Thakur, with Archana Puran Singh appearing as the show's regular judge.

The show is filmed on an indoor set with a live audience and follows a weekly episode release model on Netflix. Its launch was significant as it reunited Kapil Sharma and Sunil Grover on the same platform after several years. The series focuses on clean, family-friendly humour and conversational comedy rather than scripted storytelling.

Neetu Kapoor remembers Rishi Kapoor: Always in our hearts

It has been 6 years since celebrated Bollywood actor Rishi Kapoor left for the heavenly abode. Remembering her late husband on his death anniversary on Thursday, actress Neetu Kapoor uploaded a candid throwback photo of the couple on social media.

The photo showed Rishi Ji and Neetu sitting next to one another, simply smiling at the camera. "Always in our hearts (sic)," read the text on the photo.

Rishi Ji and Neetu's daughter, Riddhima Kapoor Sahni, also used social media to pay a heartfelt tribute to her late father. Posting a portrait of Rishi Ji on her official Instagram account, Riddhima shared, "Until we meet again. I'll keep celebrating you, loving you and missing you, always (sic)." For those who do not know, Rishi and Neetu first bumped into each other back in 1974 on the sets of their movie "Zehreela Insaan". Their relationship, which commenced as colleagues, slowly transformed into love.

After being in a relationship for some time, these two finally ended up tying the knot in 1980. The couple welcomed a girl, Riddhima, in 1980, followed by a boy, Ranbir, in 1982.

During their tenure, Rishi and Neetu have been paired in several projects such as "Doosara Aadmi", "Rafoo Chakkar", "Besharam", "Kabhi Kabhie", "Zinda Dil", "Amar Akbar and Anthony", "Anjane Mein", "Dhan Daulat", "Khel Khel Mein", and "Do Dooni Chaar", to name just a few. Unfortunately, Rishi passed away on 30th April 2020 after a two-year-long battle with leukemia. He was 76 at the time.

Sidharth laughs as Kiara sings 'Baby Shark' in Maldives

Actress Kiara Advani who embraced motherhood 11 months ago, recently gave her fans a peek into her relaxed Maldives holiday, where she was seen in her mommy mode, singing the popular "Baby Shark" rhyme while a chef prepared sushi at a live counter.

The light-hearted moment was captured by her husband and actor Sidharth Malhotra who was heard giggling in the background. In the playful clip, Kiara, dressed in a breezy pink shirt layered over a white bralette, is seen excitedly reacting by singing Baby Shark song as the chef slices sushi rolls.

Kiara also shared a few pictures from her luxurious trip along with Sidharth and their little baby girl. The first set of visuals showcase stylish two caps labelled "Mini" and "Mama," paired with chic sunglasses and a beach towel.

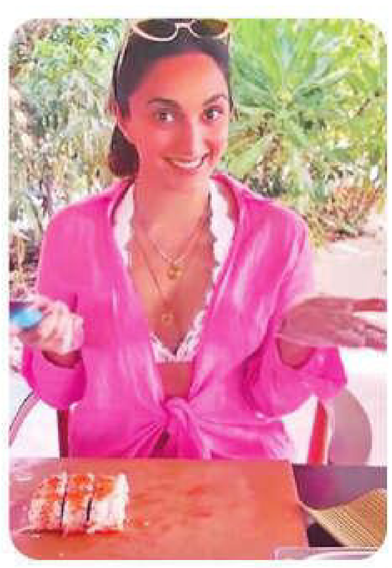

Another frame captures a serene sunset view from a luxurious overwater villa, with Kiara and Sidharth's feet stretched out in relaxation.

For the uninitiated, Kiara and Sidharth tied the knot in February 2023 in a grand yet intimate ceremony in Rajasthan after dating for a few years. The two fell head over heels in love with each other on the sets of their movie Shershaah.

On the work front, Kiara has been associated with the much-anticipated film Toxic whose release was earlier slated for June 5 but has now been pushed to a later, unannounced date.

They welcomed their first born, a baby girl in June 2025.

The couple had announced the pregnancy earlier in 2025 with a joint social media post showing their hands holding baby socks. They had captioned it as, 'The greatest gift of our life. Coming soon.' Kiara had kept her pregnancy very private, rarely showcasing her baby bump in public and choosing to maintain a discreet presence during her term.

Krushna, Kashmera get emotional as twins meet Mami Sunita

An emotional and heartwarming moment unfolded as celebrity couple Krushna Abhishek and Kashmera Shah's twin sons finally met their "Mami" Sunita Ahuja for the very first time since their birth.

The touching reunion came after Sunita Ahuja recently appeared on the cooking reality show Celebrity Laughter Chefs, where the coldness amidst family seemed to melt with them warming up to each other.

In a video shared by the host channel on their social media account, Krushna and Kashmera's twin boys, Rayaan and Krishang, who are around 7 years old, were seen meeting Sunita, who is their grandmother, marking a significant moment for the family.

In the video, Sunita Ahuja appeared overwhelmed and overjoyed as she met her grandsons for the first time in all these years.

Krushna Abhishek, while sharing the moment on his social media story, revealed how special and long-awaited this meeting was for everyone involved.

Adding a light-hearted touch to the emotional moment, Kashmera Shah was seen interacting playfully with her sons. She asked them, "Are you scared of me?", to which the boys innocently nodded in affirmation.

Turning the moment humorous, Kashmera then pointed towards Sunita Ahuja and said, "Now meet the person your mother is scared of," leaving everyone amused.

For those unaware, Sunita Ahuja is married to actor Govinda, and Krushna Abhishek is Govinda's nephew.

Adah Sharma's chill day: scrolling, cooking, and a bit of workout

Actress Adah Sharma has given a peek into what her "typical day off" looks like and revealed that it includes waking up with "big plans", mindless scrolling, thoda sa workout, and getting distracted by the birds. Adah is known for her disciplined life; however, an off day for her is a little similar to everyone else's.

She told that in a candid chat: "I wake up at 10 am with big plans, of yoga, cleaning my room, and not looking at the phone. By 11 am, I'm negotiating with myself so my day becomes a mix of aspirations, snacks, and thoda sa workout."

Adah added: "Then I get distracted by the birds and spend 2 hrs conversing with the crows. I've then got my phone out to take all the cute videos of the birds, and my phone storage gets full."

"Now phone in hand, I do indulge in mindless scrolling. I look at healthy recipes and decide to try them on the next off day, which never happens."

Adah was last seen in Tumko Meri Kasam, directed by Vikram Bhatt. The film is inspired by the life of Dr. Ajay Murdia, the founder of Indira IVF. The film also stars Anupam Kher, Ishwak Singh, Adah Sharma, and Esha Deol in lead roles. She will next be seen in "Governor: The Silent Saviour", which also stars Manoj Bajpayee.

The film is reportedly inspired by S. Venkitaramanan, who served as RBI Governor during India's 1991 economic crisis and was closely associated with the country's financial rescue period.

यमुना प्रदूषण रेती स्नान कर जताया अनोखा विरोध

बिहार घाट पर रेती से स्नान कर यमुना शुद्धिकरण की उठाई मांग

जहीर आलम / बुलंद मंजिल

वृन्दावन- अमावस्या पर यमुना में आस्था की डुबकी लगाने घाटों पर पहुँचे भक्त यमुना की दुर्दशा से आहत हुए। यमुना की बदहाली से नाराज सामाजिक कार्यकर्ता ने बिहार घाट पर रेती से स्नान कर प्रदर्शन किया, शासन प्रशासन से यमुना शुद्धिकरण की मांग दोहराई। शुक्रवार को बिहार घाट पर सीधे यमुना में गिर रहे गंदे नाले को देख सामाजिक कार्यकर्ता ताराचंद गोस्वामी का आक्रोश फूट पड़ा।

जल में जल की कमी और भीषण प्रदूषण को लेकर उन्होंने यमुना जल के बजाए रेती से स्नान कर विरोध प्रदर्शन किया। श्रीगोस्वामी ने कहा कि आज यमुना में पानी नहीं बचा है, केवल नालों का गंदा पानी बह रहा है, जिसके कारण उन्हें प्रतीकात्मक रूप से रेती से स्नान करना पड़ा। ?प्रदर्शन के दौरान उन्होंने सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि 'नमामि गंगे' जैसी योजनाओं पर करोड़ों रुपए बर्बाद किए गए, लेकिन धरातल पर यमुना जी न तो निर्मल हुई हैं और न ही उनकी अविरल धारा वापस लौटी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि धार्मिक नगरी के घाटों को इन गंदे नालों से मुक्त नहीं किया गया, तो आने वाले समय में बड़ा और उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर कान्हा, अखिलेश, रामजीलाल, किशोर गोस्वामी, धर्मवीर आदि थे।

समाजसेवी पर दबंगों का हमला, दो आरोपी गिरफ्तार

-रास्ते में रोककर लाठी-डंडों से की गई मारपीट, गंभीर रूप से घायल

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। गुरुवार देर शाम प्रतिष्ठान से घर लौट रहे समाजसेवी विजेंद्र सिंह पर कुछ नामजदों ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने हाथरस गेट थाने में पांच नामजद व एक अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। पीड़ित चौधरी विजेंद्र सिंह ने बताया कि वह रात करीब 10

बजे रत्न कॉलोनी स्थित अपने प्रतिष्ठान पूर्णिमा फ्लेक्स से ओढ़पुरा स्थित घर जा रहे थे। इसी दौरान ओढ़पुरा में पहले से घात लगाकर बैठे प्रेम बाबू, अतुल, ब्रजेश, मयंक, कुलदीप सहित एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

अंबेडकर जयंती पर लाड़पुर में निकली भव्य शोभायात्रा

-बाबा साहब के जन्मोत्सव पर जुटा जनसैलाब, धूमधाम से हुआ आयोजन

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। कस्बा लाड़पुर में 30 अप्रैल 2026 को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मोत्सव के अवसर पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही और पूरे कस्बे में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में आयोजकों द्वारा समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव व हाथरस विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी बृजमोहन राही एडवोकेट को उद्घाटनकर्ता, समाजवादी पार्टी से चेयरमैन प्रत्याशी रहे लल्लन बाबू

एडवोकेट को मुख्य अतिथि, कांग्रेस शहर अध्यक्ष व रायबरेली लोकसभा कोऑर्डिनेटर योगेश कुमार ओके को विशिष्ट अतिथि तथा राकेश चौधरी प्रधान व युवा नेता वीरपाल सिंह को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सभी अतिथियों द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद आयोजकों ने अतिथियों का स्वागत किया। स्वागत प्रक्रिया के उपरांत उद्घाटनकर्ता बृजमोहन राही और मुख्य अतिथि लल्लन बाबू ने नीला फीता काटकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा के दौरान आयोजक/अध्यक्ष विनोद कुमार, ऋषि कुमार, राजेंद्र सिंह, सुरेश चंद्र (पूर्व प्रधान), लालबहादुर, लालाराम भारती, बनवारीलाल, योगेश कुमार, आशीष कुमार, बनी सिंह, विजेंद्र सिंह, राकेश कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने बाबा साहब के विचारों को अपनाने और समाज में समानता व शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

चांदपुर में शादी बनी संग्राम बारात में पहुंची महिला ने दूल्हे को बताया पति, रुकवाई शादी

प्रेम संबंध और बच्चे का दावा, डीएनए जांच की मांग — घंटों चली पंचायत, पुलिस के सामने उलझा मामला

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। थाना चांदपुर क्षेत्र के गांव खानपुर खादर में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब चढ़त की रस्म के दौरान एक महिला अचानक बारात में पहुंच गई और दूल्हे को अपना पति बताते हुए शादी रुकवा दी। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमरोहा जनपद के धनौरा थाना क्षेत्र के गांव पपसरी खादर से बारात चांदपुर के खानपुर खादर आई थी। बुधवार शाम करीब चार बजे चढ़त की रस्म चल रही थी, तभी एक महिला मौके पर पहुंची और दूल्हे पर अपना अधिकार जताने लगी। महिला का दावा—वह मेरा पति है महिला ने दावा किया कि

उसका दूल्हे से लंबे समय से प्रेम संबंध है और दोनों के बीच एक बच्चा भी है। उसने मौके पर डीएनए जांच कराने की मांग करते हुए खुद को दूल्हे की पत्नी बताया। बताया जा रहा है कि महिला पहले से शादीशुदा है, लेकिन कई वर्षों से अपने पति से अलग रह रही है। इसी दौरान उसकी दूल्हे से जान-पहचान हुई, जो धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। शादी की रस्में रुकीं, पंचायत बैठीः

महिला के दावे के बाद दोनों पक्षों के परिजन आमने-सामने आ गए और शादी की रस्में रोक दी गईं। गांव में पंचायत बैठी और घंटों तक बातचीत चली, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका। बारातियों में भी असमंजस की स्थिति बनी रही।

पुलिस पहुंची मौके परः

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। बाद में दोनों पक्षों को थाने ले जाया गया, जहां देर शाम तक वार्ता जारी रही। पुलिस का बयानः

चांदपुर प्रभारी निरीक्षक राहुल सिंह ने बताया कि अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इलाके में चर्चा का विषयः

यह अनोखा मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि आगे क्या मोड़ आता है और क्या यह विवाद कानूनी कार्रवाई तक पहुंचता है।

गंगा स्नान को जा रहे दंपति को रोडवेज बस ने रौंदा, पति की मौत

-हादसे में पत्नी गंभीर रूप से घायल, मेडिकल कॉलेज रेफर

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर गंगा स्नान के लिए जा रहे पति-पत्नी को रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना थाना सिकंद्राराऊ क्षेत्र के कासगंज रोड स्थित गांव नावली के पास की है। जानकारी के अनुसार बसाई बावस निवासी 25 वर्षीय विजेंद्र पुत्र कप्तान सिंह अपनी 22 वर्षीय पत्नी नीरज के

साथ कासगंज के कछला घाट गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। इसी दौरान कासगंज डिपो की रोडवेज बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकंद्राराऊ पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने विजेंद्र को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल नीरज को प्राथमिक उपचार के बाद अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया तथा गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जा रहा है कि दंपति के दो छोटे बच्चे हैं, जिनके सिर से पिता का साया उठ गया है।

सौंधन किले पर प्रशासन का डंडा मकान मालिक खुद तोड़ रहे मकान

सामान ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर ले जा रहे चिंता में दिखे परिवार

दैनिक बुलंद मंज़िल / भूरे सिंह यादव

सम्भल/सौंधन स्थित ऐतिहासिक किले को खाली कराने के लिए प्रशासन के अल्टीमेटम का असर अब जमीन पर दिखने लगा है। एसडीएम और तहसीलदार के निर्देश के बाद किले में रह रहे लोगों ने अपने मकान स्वयं ही तोड़ने शुरू कर दिए हैं। गुरुवार को प्रशासन द्वारा तीन दिन में किला खाली करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद कई परिवारों ने अपने घरों को खुद ही तोड़ना शुरू कर दिया। लोग अपने घरों में रखा सामान ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर दूसरे स्थानों पर ले जाते नजर आए। इस दौरान

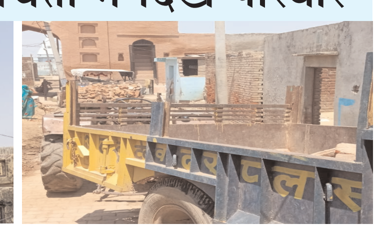

परिवारों में चिंता का माहौल साफ दिखाई दिया। महिलाएं और बच्चे भी सामान समेटते नजर आए। जबकि पुरुष अपने आशियाने को खुद ही गिराने में जुटे रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की कार्रवाई को देखते हुए वे स्वयं ही मकान हटा रहे हैं। लेकिन उनके सामने सबसे बड़ी समस्या रहने की व्यवस्था को लेकर है। कई परिवारों ने पुनर्वास की मांग भी उठाई है। गौरतलब है कि प्रशासन सौंधन किले को अतिक्रमण मुक्त कर इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है। इसी क्रम में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है।

स्याऊ सीएचसी में बड़ी सौगात, अब गांव में ही होंगे ऑपरेशन, दूर-दराज अस्पतालों के चक्कर खत्म

डॉ. ज़ुबैर ने फीता काटकर किया शुभारंभ — पहले ही दिन सफल ऑपरेशन, जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर/स्याऊ । चांदपुर क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्याऊ में अब ऑपरेशन की सुविधा शुरू हो गई है। शुक्रवार को सीएचसी प्रभारी डॉ. जुबैर ने फीता काटकर ऑपरेशन थिएटर का विधिवत शुभारंभ किया। इस सुविधा के शुरू होने से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को अब इलाज के लिए दूर-दराज के अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा बलः

शुभारंभ के अवसर पर डॉ. जुबैर ने बताया कि यह सुविधा मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिजनौर के निर्देश और शासन की मंशा के अनुरूप शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, और यह ऑपरेशन थिएटर उसी दिशा में एक अहम कदम है।

पहले ही दिन सफलताः

ऑपरेशन थिएटर के शुभारंभ के साथ ही पहले दिन एक सफल ऑपरेशन भी किया गया। ग्राम रावटी निवासी गीता पत्नी रविंद्र का ऑपरेशन डॉ. जॉन और डॉ. सोनी की टीम द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। ऑपरेशन के बाद जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं।

परिजन ने जताया आभारः

मरीज के पति रविंद्र ने बताया कि वे केवल जांच के लिए अस्पताल आए थे, लेकिन यहां ऑपरेशन सुविधा मिलने की जानकारी के बाद उन्होंने यहीं उपचार कराने का निर्णय लिया। उन्होंने डॉक्टरों और स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

लोगों से अपीलः

डॉ. जुबैर ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि अब स्याऊ सीएचसी में प्रसव संबंधी ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है, इसलिए अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठाएं और सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा दें।

ये रहे मौजूदः

इस अवसर पर बीसीपीएम गगन कुमार, स्टाफ नर्स अलका, शबनम, अनीता, टेक्नीशियन जॉनी, एनबीएसयू स्टाफ नर्स पूजा शर्मा, आशा रिंकल सहित समस्त स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

उम्मीद की नई किरणः

ऑपरेशन थिएटर की शुरूआत से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी और ग्रामीणों को समय पर बेहतर इलाज मिल सकेगा।

आधार कार्ड पर बड़ा फैसला! अब जन्मतिथि का प्रमाण नहीं माना जाएगा

यूआईडीएआई का साफ निर्देश—पहचान के लिए मान्य रहेगा आधार, लेकिन डेट ऑफ बर्थ के लिए अन्य दस्तावेज जरूरी

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने आधार कार्ड को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए स्पष्ट किया है कि अब आधार कार्ड को जन्मतिथि के प्रमाण के रूप में मान्य नहीं माना जाएगा। हालांकि, यह दस्तावेज व्यक्ति की पहचान के प्रमाण के रूप में पहले की तरह वैध बना रहेगा।

यूआईडीएआई द्वारा जारी आधिकारिक पत्र में बताया गया है कि आधार का मूल उद्देश्य केवल पहचान का प्रमाणीकरण है, न कि किसी व्यक्ति की जन्मतिथि या उम्र की पुष्टि करना।

यूआईडीएआई का क्या कहना है:

प्राधिकरण के अनुसार, आधार कार्ड पर दर्ज जन्मतिथि उपयोगकर्ता द्वारा नामांकन या अपडेट के समय दी गई जानकारी के आधार पर दर्ज की जाती है। इस कारण इसे पूरी तरह प्रमाणिक जन्मतिथि दस्तावेज नहीं माना जा सकता।

कैसे होता है आधार प्रमाणीकरणः

आधार प्रमाणीकरण प्रक्रिया में व्यक्ति की पहचान बायोमेट्रिक डेटा जैसे फिंगरप्रिंट, आईरिस स्कैन और अन्य पंजीकृत जानकारियों के जरिए केंद्रीय डेटाबेस से मिलान कर सुनिश्चित की जाती है। इस प्रक्रिया में केवल यह पुष्टि होती है कि आधार प्रस्तुत करने वाला व्यक्ति वही है, लेकिन उसकी जन्मतिथि का स्वतंत्र सत्यापन नहीं किया जाता।

एजेंसियों को दी गई स्वतंत्रताः

यूआईडीएआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि ऑथेंटिकेशन यूजर एजेंसी और केवाईसी यूजर एजेंसी अपने स्तर पर यह तय कर सकती हैं कि वे जन्मतिथि या आयु निर्धारण के लिए आधार का उपयोग करें या नहीं।

आम जनता पर असरः

इस निर्णय के बाद अब विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी प्रक्रियाओं में जन्मतिथि प्रमाणित करने के लिए अन्य दस्तावेज जैसे जन्म प्रमाण पत्र, शैक्षिक प्रमाण पत्र या पैन कार्ड प्रस्तुत करना आवश्यक हो सकता है।

आधार कार्ड आपकी पहचान का मजबूत माध्यम बना रहेगा, लेकिन जन्मतिथि के प्रमाण के तौर पर इसकी भूमिका अब सीमित कर दी गई है। इससे लोगों को अपने अन्य दस्तावेजों को भी अपडेट और सुरक्षित रखने की जरूरत होगी।

युवा समाज सेवी गुड्डू उर्फ रंगीला के नेतृत्व में बुद्ध पूर्णिमा पर नगला अलगर्जी में भव्य प्रसादी वितरण

खीर और लड्डू का प्रसाद पाकर ग्रामीणों में दिखा उत्साह

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर गांव नगला अलगर्जी में युवा समाजसेवी गुड्डू उर्फ रंगीला के नेतृत्व में भव्य प्रसादी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को खीर और लड्डू का प्रसाद वितरित किया गया, जिससे पूरे गांव में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस मौके पर गुड्डू उर्फ रंगीला ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा एक पवित्र पर्व है, जो हमें शांति, सद्भाव और मानवता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में भाईचारा और आपसी प्रेम बढ़ता है, इसलिए सभी को मिलकर इस प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए। कार्यक्रम में गांव के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुन्नी लाल, भीकम सिंह, रुपचंद, नरेश कुमार, नरेंद्र कुमार उर्फ ईपी, सत्य प्रकाश, संजय खान, रोहित कुमार, योगेश कुमार, रवि कुमार, प्रमोद कुमार, राजा, शेरसिंह, संजू कुमार, ललित, आशीष कुमार, अभिषेक सोलंकी, संदीप कुमार, गौतम कुमार, संजय सागर और अखिलेश सहित अन्य ग्रामीणों ने सहयोग किया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में एकता और भाईचारा मजबूत होता है।

CMYK